अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक – 198 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शुक्रवार 17 नवम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

18 से 25 नवम्बर तक चलेगा प्रत्येक बच्चे के समानता व समावेशन के लिए अभियान

लखनऊ। पावर एंजिल्स तथा बाल संसद के नेतृत्व में दिनांक 18 नवम्बर से 25 नवम्बर तक प्रत्येक बच्चे के लिए समानता और समावेशन थीम पर आधारित हर बच्चे के लिए हर अधिकार कैम्पेन आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया। इस हेतु प्राथमिक और उच्च प्राथमिक एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियां संचालित करायी जायेगी। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में समयसारिणी के अनुसार गतिविधियों के संचालन हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाये।इस सम्बध ा में राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय द्वारा प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण मण्डलीय सहायक शिक्षानिदेशक बेसिक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समस्त जनपदों हेतु आवश्यक निर्देश जारी कर दिये गये है। कार्यक्रम की मुख्य थीम "लैंगिक समानताः–सभी छात्र–छात्राओं के लिए समान अवसर, देखभाल और समर्थनः परिवारों,घरों, स्कूलों, खेल, कैरियर, स्वास्थ्य देखभाल और बाल संरक्षण सुविधाओं, समुदाय, सार्वजनिक जीवन में हर बच्चे के लिए चौंपियन बनें" पर आधारित होगी। प्रमुख गतिविधियां के अन्तर्गत 18 नवम्बर को विद्यालय स्तर पर शिक्षक छात्र अतिथि वक्ता अधिकारियों, विशेषज्ञों, चौंपियनों द्वारा थीम और राज्य सरकार और भारत सरकार द्वारा बनाये गये बच्चों के लिए कानूनों, योजनाओं और लाभों पर चर्चा की जायेगी, 20 नवम्बर को मनोरंजन के साथ सीखें–बाल अधिकार विषय पर प्रश्नोत्तरी, कहानी, कविता, नारा, वाद–विवाद, विज्ञान–परियोजना, हस्तशिल्प, गीत, नृत्य, नाटक 21नवम्बर को खेलने का अधिकार, खेल दिवस का आयोजन इनडोर, आउटडोर खेल, बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता की जांच की जायेगी, 22 नवम्बर को मीना मंच, पावर एंजल्स के नेतृत्व में स्कूल एवं समुदाय में नुक्कड़ नाटक, छात्र पुलिस कैडेट, स्काउट्स और गाइड का आयोजन। 23 नवम्बर को माता–पिता और समुदाय के लिए बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग शिल्प की प्रदर्शनी, बाल मेला बाल अधिकार उत्सव–सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन, कैरियर पोर्टल, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श एवं साइबर सुरक्षा का मॉकड्रिल कराने, 24 नवम्बर को बच्चों के लिये फिल्म महोत्सव आयोजित करायें। हर दिन एक अच्छी फिल्म दिखाएं 14–20 नवंबर बच्चों को प्रेरित करने के लिए अपनी यात्रा, उपलब्धियों के बारे में साझा करने के लिए एक अतिथि वक्ता अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर पुलिस अधिकारी, खिलाड़ी, लोकप्रिय कलाकार को आमंत्रित करें, छात्रों के साथ पाठ आयोजित करें शिक्षकों के संदर्भ हेतु सरल मॉड्यूल उपलब्ध है। इसके अलावा 25 नवम्बर को छात्र प्रतिनिधि बाल संसद के सदस्यों तथा मीना मंच की टीम बनाकर बाल अधिकार लिंग समानता बाल सुरक्षा पर विद्यालय परिसर के अंदर तथा बाहर एक सर्वेक्षण करेंगे, जिसमें ऐसे स्थानों को चिन्हित करेंगे, जो बच्चों के लिये खतरा न हों यथा–टूटे हुये स्विच बोर्ड, खुला हुआ सोखपिट, गड्ढे, खुले एवं गिरे हुये बिजली के तार, कटीली झाड़ियां, बिजली का खम्भा, परिसर में जलभराव, असुरक्षित चहारदीवारी आदि स्थानों को साथियों के साथ एक सर्वेक्षण करते हुये सूचीबद्ध कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रधानाध्यापक एवं ग्राम प्रधान को ज्ञापन प्रस्तुत करें।

सीएम योगी बोले: राम मंदिर के लिए आंदोलन करने पर कांग्रेस करती थी अत्याचार, होता था मुस्लिम तुष्टीकरण

सीएम योगी ने कहा कि यूपी में सरकार ने धर्मस्थलों का सुंदरीकरण कर रही है। यहां भाजपा सरकार होती तो कन्हैया लाल जैसे निर्दोषों की हत्या नहीं होती।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को राजस्थान में पांच रैलियों के जरिए आठ विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस

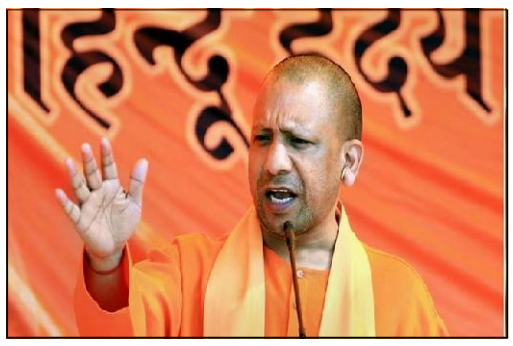

पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर तोड़कर विवादित ढांचा बना दिया गया। हम आंदोलन करते थे तो कांग्रेस सरकार अत्याचार करती थी। राजस्थान सरकार मुआवजा देने में भी तुष्टीकरण करती है। कन्हैया लाल के परिवार को 5 लाख मुआवजा दिया, जबकि मुस्लिम बाइक सवार की दुर्घटना में मृत्यु पर 20–20 लाख रुपये दिए गये। योगी ने गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां टैक्स वसूला जा रहा है, लेकिन हमने वसूली करने वालों की गर्मी शांत कर दी। पिपाल्दा से प्रेम गोचर व सांगोद से हीरालाल नागर के पक्ष में आयोजित जनसभा में उन्होंने कहा कि राजस्थान में परिवर्तन की नई बयार है। जब प्राकृतिक आपदा आती है तो कांग्रेस के नेता गायब हो जाते हैं। पिपाल्दा से लेकर दिल्ली तक सभी कांग्रेसी नेताओं के यही हाल हैं। वहीं बूंदी से प्रत्याशी अशोक डोगरा, केशव राय पाटन से चंद्रकांता, हिंडोली से प्रभुलाल सैनी के समर्थन में आयोजित सभा में कहा कि मान्धता बाला जी मंदिर में दर्शन–प्रवेश पर यह सरकार रोक लगा रही थी, उसके खिलाफ आपने लगातार सरकार को अपनी ताकत का अहसास कराया।

यूपी में सरकार ने धर्मस्थलों का सुंदरीकरण कर रही है। यहां भाजपा सरकार होती तो कन्हैया लाल जैसे निर्दोषों की हत्या नहीं होती। केकड़ी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार शत्रुन गौतम के लिए वोट मांगने के दौरान कहा कि 2017 के पहले यूपी में अजगर जैसे माफिया हावी थे। उनके लिए हम बुलडोजर लेकर आए। यह अच्छे–अच्छे माफिया की गर्मी शांत कर देता है। जनता के लूटे गए पैसे को सरकारी खजाने में रखकर गरीबों के लिए आवास बनाते हैं। इसके अलावा उन्होंने पुष्कर से विधायक व भाजपा प्रत्याशी सुरेश सिंह रावत के पक्ष में जनसमर्थन की अपील की।

राजस्थान में भी चलेगा बुलडोजर

योगी ने किशनगढ़ में भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के पक्ष में मतदान की अपील करने के दौरान कहा कि भाजपा जीतेगी तो कांग्रेस के माफिया राज पर राजस्थान में भी बुलडोजर चल जाएगा। कांग्रेस सरकार में देश में 14 किमी सड़क प्रतिदिन नहीं बन पा रही थी, लेकिन आज पीएम मोदी के नेतृत्व में 38 किमी का हाइवे रोज बन रहा है। कांग्रेस राज में मात्र छह एम्स बने, मोदी के नेतृत्व में 22 बन चुके हैं।

एलडीएः जनता अदालत में आये 26 प्रकरणों में से 7 का मौके पर हुआ निस्तारण

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में गुरूवार को जनता अदालत/प्राधिकरण दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान रजिस्ट्री, फ्री–होल्ड, नामांतरण व अवैध निर्माण आदि से सम्बंधित कुल 26 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 07 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं, शेष प्रकरणों के निस्तारण के सम्बंध में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा समय–सीमा निर्धारित करते हुए अधिकारियों को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा जन सामान्य एवं आवंटियों की समस्याओं एवं उनके कार्यों को त्वरित गति से शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित किये जाने के लिए दिये गए निर्देशों के क्रम में प्राधिकरण भवन के कमेटी हॉल में "प्राधिकरण दिवस/जनता अदालत" का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपाध्यक्ष महोदय द्वारा जनता अदालत में उपस्थित होकर जन सामान्य की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना गया। जनता

अदालत में पहुंचे कल्याणपुर निवासी कृष्ण प्रताप सिंह ने प्रार्थना पत्र दिया कि शंकरपुरवा प्रथम वार्ड के अंतर्गत ग्राम–बहादुरपुर की भूमि खसरा संख्या–114 अभिलेखों में अतिरिक्त घोषित शहरी सीलिंग में दर्ज है, जिस पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कॉम्प्लेक्स, हॉस्पिटल एवं आवासीय निर्माण कराके कब्जा कर लिया गया है। इस पर उपाध्यक्ष ने जोनल अधिकारी को संयुक्त टीम बनाकर स्थल निरीक्षण करके कार्यवाही करने के निर्देश दिये। वहीं, नौबस्ता निवासी संदीप सैनी द्वारा बसन्तकुंज योजना के सेक्टर–एच स्थित आश्रयहीन भवन संख्या–एस–1/162 के अवशेष भुगतान, रजिस्ट्री व कब्जे के सम्बंध में प्रार्थना पत्र दिया गया, जिस पर उपाध्यक्ष ने सम्बंधित अधिकारियों को एक सप्ताह में कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। इसके अलावा गोमती नगर की विजयखण्ड निवासी बफातन अंसारी द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया कि उन्हें बसन्तकुंज योजना के सेक्टर–बी में भूखण्ड संख्या–291 आवंटित है, जिसकी समस्त धनराशि का ओ0टी0एस के अंतर्गत आवेदन करके भुगतान किया जा चुका है, लेकिन रजिस्ट्री नहीं हुयी है। इस पर उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को एक सप्ताह में प्रकरण का निस्तारण कराने के निर्देश दिये। इसी तरह विजय बहादुर द्वारा जानकीपुरम के सेक्टर–3 में भवन संख्या–3/605 की रजिस्ट्री के सम्बंध में दिये गये प्रार्थना पत्र पर समयबद्ध तरीके से कार्यवाही के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त मोतीनगर निवासी अश्वनी कुमार द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया कि नाका के विजयनगर में भूखण्ड संख्या–2 पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से बेसमेंट की खुदाई व निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस पर उपाध्यक्ष ने जोनल अधिकारी को तीन दिन के अंदर नोटिस जारी करके नियमानुसार कार्यवाही कराने के निर्देश दिये। जनता अदालत में विशेष कार्याधिकारी राजीव कुमार, प्रिया सिंह, डी0के0 सिंह, श्रद्धा चौधरी, देवांश त्रिवेदी, रविनंदन सिंह, नजूल अधिकारी अरविंद त्रिपाठी, अधिशासी अभियंता नवनीत शर्मा व मनोज सागर समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी प्रसाद के बयान सपा के लिए बन सकते हैं शूल

लखनऊ। सपा के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्या की देवी देवताओं पर लगातार आ रही टिप्पणियां विवाद का केंद्र बन रही हैं। सपा मुखिया परिवार और उनके ज्यादार समर्थक धार्मिक रुझान वाले रहे हैं। वह इन बयानों से अपने को असहज महसूस कर रहे हैं। इसी कारण

अगर सपा स्वामी से दूरी बना ले तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। क्योंकि पार्टी अपने खिलाफ भाजपा को धार्मिक विरोधी हथियार देने के मूड में नहीं है। स्वामी प्रसाद के बयान कहीं सपा की राह के शूल न बन जाएं, इस पर मंथन हो रहा है। राजनीतिक जानकर बताते हैं कि दीपावली के दिन से लक्ष्मी देवी पर उठाए सवाल ने भाजपा को बैठे बिठाए एक बड़ा मुद्दा दे दिया है। वहीं इस मुद्दे पर कांग्रेस भी स्वामी के जरिए अखिलेश को घेरने में जुट गई है। दूसरी ओर सपा के प्रवक्ता ने स्वामी को ऐसी टिप्पणी न करने की हिदायत दी है। दरअसल समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया साइट पर एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में किसी भी नस्ल और जाति में दो हाथ वाले बच्चे पैदा होते हैं, तो चार हाथ वाली लक्ष्मी कैसे पैदा हो गईं। अगर आपको पूजा करनी ही है, तो अपनी पत्नी की करें जो कि पूरी निष्ठा से पूरे परिवार की देखभाल करती हैं। इसी के बाद पूरा बवाल मचा है। समाजवादी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि हमारी पार्टी में अधिकतर यादव हैं, वो धार्मिक रुझान वाले लोग हैं। चाहे रामचरित मानस की बात हो या फिर लक्ष्मी माता पर विवादित टिप्पणी वह स्वामी के इन बयानों के खिलाफ हैं। उनका सीधा मत है कि ऐसे बयानों पर रोक लगनी चाहिए। वो शीर्ष नेतृत्व को इस बारे में बता चुके हैं। जब पार्टी के मुखिया और उनके परिवार वाले समय समय पर अपने धार्मिक रुझान को प्रस्तुत करते रहते हैं। भला उनके समर्थक इससे पीछे कैसे रह सकते हैं। स्वामी प्रसाद ने ऐसे समय बयान दिया जब पार्टी पांच राज्यों के चुनाव मुहाने पर है। उनके इस बयान ने भाजपा को बैठे बिठाए एक बड़ा मुद्दा दे दिया है। इस पर पार्टी कोई निर्णय लेगी। सपा के प्रवक्ता आईपी सिंह ने तो स्वामी प्रसाद के बयान पर निशाना साधा और कहा कि पांच वर्ष बीजेपी में आप कैबिनेट मंत्री रहे, तब मां लक्ष्मी जी और भगवान गणेश जी पर अभद्र टिप्पणी करते हुए डरते थे। आपकी बेटी बदायूं से सांसद हैं अपने को सनातनी बताती हैं कोई पूजा–पाठ नहीं छोड़ती। कम से कम आप अपने बेटे बेटी को समझा लेते। पार्टी को नुकसान पहुंचाना बन्द करिये। स्वामी प्रसाद के बयान को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में कहा कि कोई किसी का एजेंट नही होता है। यह उनके विचार हैं, इससे कुछ लोग सहमत नहीं है। इस दौरान जब अखिलेश से यह पूछा गया कि क्या वह स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ एक्शन लेंगे? तो अखिलेश यादव ने कहा, यह बात उत्तर प्रदेश की है। हम वहां जाकर तय करेंगे। स्वामी प्रसाद के बयान को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य हिंदुओं के देवी–देवताओं, उनकी आस्था एवं धर्म का अपमान कर रहे हैं। दूसरी तरफ उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष मंदिर मठों में घूमते फिर रहे हैं। इस दोहरे चरित्र को जनता खूब समझ रही है। उन्होंने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को इस संबंध में अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक रतनमणि लाल कहते हैं कि अखिलेश यादव पहले स्वामी के बयान से पार्टी की स्थिति को तौल रहे थे। वह उनके बयानों को मूक समर्थन दे रहे थे। लेकिन अब यह उनके लिए अहितकारी साबित हो रहा है। स्वामी ने इसे अपनी व्यक्तिगत प्रचार का हिस्सा बना लिया है। स्वामी के बयान सपा के लिए चुनौती बन रहे है। वह अब अपना कद बढ़ाने में लग गए है। सपा को इसका नुकसान होने लगा है। स्वामी का बयान सपा के लोग स्वीकार करने को तैयार नहीं है। हो सकता है आने वाले समय में अखिलेश उनके बयानों पर अंकुश लगा दें।

दिव्यांग मतदाताओं को सूची में शामिल कराने हेतु विशेष कैम्पों का आयोजन करायेः–डीएम

हरदोई। आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जिलास्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ऋचा गुप्ता से कहा कि छूटे हुए दिव्यांग मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए विशेष कैम्पों का आयोजन कराये तथा विद्यालयों में जागरूकता रैली निकाली जाए और छूटे हुए दिव्यांग मतदाताओं का जल्द चिन्हीकरण कराया जाए एवं तथा इसके लिए व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जायें। उन्होने कहा कि दिव्यांग समिति को अधिक समावेशी बनाने के लिए समितियों की बैठकें ससमय करायी जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक दिव्यांग छात्र–छात्राओं की सूची महाविद्यालयों तथा इण्टर कालेजों से कक्षा 11 व 12 में अध्ययन करने वालों की सूची प्राप्त करें और उनकी बीएलओ के माध्यम से जांच कराकर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि दिव्यांग पेंशनार्थियों की सूची ईआरओ को उपलब्ध करायी जाए और गैर पेंशनार्थी दिव्यांगों की सूची मुख्य चिकित्सा अधिकारी से प्राप्त की जाए। विभिन्न स्रोतों से दिव्यांगों की जानकारी प्राप्त कर सूची से मिलान किया जाए। दिव्यांग कल्याण से संबंधित स्वयं सेवी संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन से गिरा युवक,ट्रैक किनारे 2 घंटे तक तड़पता रहा

उन्नाव। कानपुर निवासी एक युवक सुबह बालामऊ पैसेंजर ट्रेन से उन्नाव के माखी कुछ काम से जा रहा था। इस दौरान छमकनाली पुलिया के आगे वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। तीन घंटे तक झाड़ियां में पड़ा तड़पता रहा। वहां से गुजर रहे आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद उसे इलाज के लिए भेजा गया।कानपुर रेल बाजार निवासी अली अहमद का 19 वर्षीय बेटा मोहसिन सुबह बालामऊ पैसेंजर ट्रेन से माखी जा रहा था। जैसे ही सुबह लगभग साढ़े पांच बजे ट्रेन छमकनाली 108 पुलिया के पास पहुंची। तभी पोल संख्या 64ध्12 64ध्14 के पास चलती ट्रेन से झाड़ियां में गिर गया। दो घंटे तक वही पड़ा तड़पता रहा। इसी बीच ग्रामीण नित्य क्रिया के लिए वहां से निकले। जहां उनकी नजर पड़ी। जिसके बाद गंगा घाट कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर मुश्किल से पुलिस मौके पर पहुंची जिसके बाद 108 एंबुलेंस से उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने घायल के परिजनों को जानकारी दी। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कंचन नगर बी मोहल्ले में नशेबाजी को लेकर दबंगों ने एक युवक को मारपीट कर उसका सिर फोड़ दिया। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। कंचन नगर बी निवासी रामनारायण उर्फ डब्ल्यू पांडे ने गंगा घाट कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि बीती रात लगभग दस बजे उसके घर के बाहर 8 से 10 लोग शराब पी रहे थे। जिसका उसने विरोध किया। विरोध करने पर सभी ने उसकी पिटाई कर दी। लाठी डंडे से हमला करने पर उसका सिर फट गया। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने घायल को मेडिकल के लिए भेजा है।

एस.एम.एस. से गन्ना पर्ची प्राप्त करने हेतु मोबाइल चालू रखें गन्ना किसानः–निधि गुप्ता

हरदोई। जिला गन्ना अधिकारी निधि गुप्ता ने अवगत कराया कि जनपद में डी.सी.एम. श्रीराम शुगर यूनिट की स्थापित चीनी मिलें हरियावां, लोनी व रूपापुर आदि ने अपना पेराई सत्र 2023–24 का शुभारम्भ कर दिया है जो इस जनपद की सहकारी गन्ना विकास समितियों में हरदोई–गेट, ग्रोवर्स, रूपापुर, बघौली व मल्लावां परिक्षेत्र के गन्ना कृषकों द्वारा समितियों से जारी पर्चियों पर निश्चित समयावधि के अन्तर्गत गन्ने की आपूर्ति भी प्रारम्भ कर दी गयी है। उन्होने जनपद के सभी कृषक भाइयों को सावधान रहने हेतु अपील की है कि किसान भाई अपने पंजीकृत मोबाइल नम्बर का इनबॉक्स खाली रखें तथा अपने मोबाइल को चालू रखें और अपने पंजीकृत नम्बर पर डी. एन. डी. सर्विस को एक्टीवेट न करायें,

जिससे एस. एम.एस. गन्ना पर्ची मोबाइल पर उन्हें रियल टाइम में प्राप्त हो सके। कृषक बंधु अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर की जॉच कर लें यदि मोबाइल नंबर गलत है, तो उसे गन्ना समिति के माध्यम से अथवा ई गन्ना एप् के द्वारा स्वयं अपडेट कर लें । पेराई सत्र 2023–24 में गन्ना पर्चियां केवल एस.एम.एस. पर्ची के रूप में गन्ना किसानों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्रेषित की जा रही है। इस संबन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा किसानों को गन्ना आपूर्ति हेतु उनके मोबाइल पर प्रेषित की जाने वाली लगभग 10 प्रतिशत एस. एम. एस. गन्ना पर्चियों की डिलीवरी प्रतिदिन फेल हो रही है, क्योंकि किसानों के ई.आर.पी. पर पंजीकृत मोबाइल नेटवर्क क्षेत्र में उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं या उनके मोबाइल का इनबॉक्स भरा होने, मोबाइल स्विच ऑफ होने एवं डी.एन.डी. एक्टिवेट होने की स्थिति में एस0एम0एस पर्ची का संदेश 24 घंटे के पश्चात् स्वतः निरस्त हो जाता है। इस कारण किसानों को अपनी पर्ची की जानकारी नहीं हो पाती है। इस तकनीकी समस्या के निवारण के लिये अनिवार्य है कि सभी किसान भाई एस.एम.एस. पर्ची प्राप्त करने के लिए अपने मोबाइल को नेटवर्क क्षेत्र में रखें, अपने मोबाइल का एस.एम.एस. इनबॉक्स खाली रखें तथा मोबाइल को चार्ज करके सदैव चालू दशा में रखें, तथा डी. एन. ए. सर्विस को एक्टिवेट न करें ताकि सर्वर द्वारा प्रेषित एस.एम.एस. गन्ना पर्ची उनके मोबाइल पर उन्हें रियल टाइम में प्राप्त जाये। पर्ची निर्गमन में यह व्यवस्था पूर्णतयाः परदर्शी है। उन्होंने जनपद की सभी चीनी मिलो एवं गन्ना विकास विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी निर्देशित किया है कि वह इसका व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करते हुए एक अभियान चलाकर सभी गन्ना किसानों के सही मोबाइल नंबर अपडेट कराना सुनिश्चित करें ताकि कृषकों को गन्ना आपूर्ति कोई असुविधा न हो।

सम्पादकीय

कैसे बरकरार रहे लोकतंत्र की शोभा

हमसे लड़ने की हिम्मत तो जुटा लोगे लेकिन कमीनापन कहां से लाओगे? फौजियों का गोश्त कौवों को खिलायेंगे। फिल्म चाइना गेट के ये संवाद है। जिन्हें फिल्म में जगीरा का किरदार निभाने वाले अभिनेता मुकेश तिवारी ने भाजपा प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय की चुनावी सभा में सुनाया। इस पर सभा में उपस्थित लोगों ने तो तालियां बजाई ही, खुद भाजपा प्रत्याशी भी इस पर ताली बजाते दिखे। फिल्म में जिस पृष्ठभूमि में ये संवाद बोले गए, वो अलग बात है, मगर चुनाव प्रचार में इन संवादों के बोले जाने पर सियासी बखेड़ा खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इन संवादों पर सवाल उठाए और कहा कि इन गुणों की हमें जरूरत नहीं, ये भाजपा को ही मुबारक। तो भाजपा ने पलटवार कर दिया कि अब कांग्रेस फिल्मी संवाद में भी राजनीति तलाश रही है। भाजपा और कांग्रेस के तर्कों में कौन सही है और कौन गलत, ये तय करने का काम चुनाव आयोग का है, बशर्ते ये मामला आयोग तक पहुंचे। इतना जरूर है कि अगर किसी और मंच या मौके पर इन संवादों पर कोई आपत्ति नहीं करता। मगर चुनाव के दौरान खास तौर पर ये कहना कि हमसे लड़ने की हिम्मत तो जुटा लोगे, लेकिन कमीनापन कहां से लाओगे, निश्चित तौर पर अशोभनीय लग रहा है। चुनाव प्रचार में लोकतंत्र की शोभा बनी रहे, यह जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। कड़वी सच्चाई है कि सत्ता हासिल करने के लिए शातिर चालें चली जाएंगी, हथकंडे अपनाए जाएंगे, वोट हासिल करने के लिए साम–दाम–दंड–भेद सभी तरीकों का इस्तेमाल भी होगा। अगर ये मान लिया जाए कि सभी उम्मीदवार नैतिकता की मिसालें कायम करते हुए पूरी ईमानदारी से चुनाव लड़ेंगे तो यह खुद को धोखा देने वाली बात है। हकीकत यही है कि चुनाव में जहां मौका मिलेगा, वहां बेईमानी होगी, चाहे वो किसी भी तरह की हो। इसलिए देश में निर्वाचन आयोग की व्यवस्था की गई है, उसे हर तरह के राजनैतिक दबाव से मुक्त रखा गया है, ताकि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव हो सकें। चुनाव में होने वाली बेईमानियों पर अंकुश लग सके। अफसोस है कि निर्वाचन आयोग से लोकतांत्रिक देश के नागरिकों को जो उम्मीदें थीं, वो उन पर खरा नहीं उतर पा रहा है। देश की जांच एजेंसियों से भी ऐसी ही निराशा हाथ लगी है। ऐसा लग रहा है मानो इन सबकी डोर एक ही जगह बंधी है और वहीं से सारे खेल खेले जा रहे हैं। इन डोरियों से बंधी संस्थाओं में कब किसको किस मौके पर उठाना है, कितना आगे बढ़ाना है, कितना पीछे खींचना है, ये सब कोई और ही तय कर रहा है। जनता को केवल मंच पर होने वाली हलचल दिख रही है, उसके पीछे क्या चल रहा है, इसका अहसास ही नहीं हो रहा। जिस मध्यप्रदेश में कमीनापन जैसे निम्नस्तरीय शब्द को चुनावी मंच से कहा गया, उसी मध्यप्रदेश में भाजपा प्रत्याशी और केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के सुपुत्र देवेंद्र सिंह तोमर से जुड़े कुछ वीडियो पिछले दिनों वायरल हुए। सत्ता के खेल में सीडी, वायरल वीडियो, फोन टैपिंग जैसे हथियारों का इस्तेमाल अब नयी बात नहीं रह गई है। राजनैतिक दल अक्सर चुनाव के वक्त इन्हें एक–दूसरे के खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। श्री तोमर के बेटे के जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें शुरुआती दो वीडियो में पहले सौ और फिर पांच सौ करोड़ के लेन–देन की बात की गई है और इसके बाद एक तीसरा वीडियो भी आया, जिसमें एक शख्स ने दावा किया कि पहले दो वीडियो में उसी से देवेंद्र तोमर की बातचीत हो रही थी। उसने बताया कि मामला सौ–पांच सौ नहीं, दस हजार करोड़ का है। इसके अलावा विदेश में गांजे की खेती की बात भी इस शख्स ने की। तोमर परिवार के सदस्यों के साथ व्हाट्स ऐप संदेशों के आदान–प्रदान से लेकर उनके आवास पर पार्सल भिजवाने जैसे कई खुलासे इस शख्स ने किए और साफ–साफ कहा कि कोई मीडिया संस्थान उनसे संपर्क करेगा तो वो सारे सबूत दे देंगे। न खाऊंगा, न खाने दूंगा। सारे भ्रष्टाचारियों का हिसाब लूंगा। ऐसे दावे करने वाले नरेन्द्र मोदी के लिए एक प्रकरण काफी था कि वे तुरंत हरकत में आते और अपनी केबिनेट के एक वरिष्ठ मंत्री का नाम इस मामले में सामने आने पर उनसे इस्तीफा लेकर नैतिकता के उच्च मापदंड का परिचय देते। देश की ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियां जो जरा सी भनक के आधार पर विपक्षी नेताओं के ठिकाने पर बड़े पैमाने पर छापेमारी कर उनसे घंटों पूछताछ के उदाहरण पेश कर चुकी है, वो जांच एजेंसियां न जाने क्यों अब तक मध्यप्रदेश नहीं जा पाई हैं। जबकि उससे लगे छत्तीसगढ़ और राजस्थान में ईडी, सीबीआई का आना–जाना लगा रहता है। चुनाव आयोग के कान भी इस वीडियो को देखकर खड़े हो जाने चाहिए थे, क्योंकि स्वतंत्र चुनाव तभी संभव है, जब उसमें बेनामी पैसे या काले धन का इस्तेमाल नहीं हो। अगर बात दस हजार करोड़ की है, तो क्या आयोग ये सोचकर निश्चिंत बैठा रह सकता है कि इस रकम से एक धेला भी चुनाव में इस्तेमाल नहीं हो रहा होगा। और फिल्म दुनिया के लोगों के जूतों में ड्रग्स को सूंघ कर कार्रवाई करने वाले नारकोटिक्स विभाग को क्या इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ रहा कि देश में बैठा कोई शख्स विदेश में जमीन लेकर गांजे की खेती की योजना बना रहा है। आखिर ये गांजा उगाकर किस बाजार में बेचने की तैयारी हो रही है। इन वीडियो के सामने आने के बाद देश में ऊपर से नीचे तक हड़कंप मच जाना चाहिए था। असल में ये वीडियो लोकतंत्र की नींव पर रखे टाइम बम के समान हैं, जो फटेंगे तो सब कुछ चिथड़ा–चिथड़ा हो जाएगा। मगर सरकार और जिम्मेदार एजेंसिया जिस तरह इससे बेपरवाह नजर आ रही हैं, उनसे और अधिक चिंता हो रही है। नरेन्द्र सिंह तोमर इन वीडियो को झूठा बताकर जांच की मांग कर रहे हैं। जबकि केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की ही सरकारें हैं, तो उनके लिए और आसान है कि वे जांच के आदेश दें। देश भी तो यही चाह रहा है कि इन वीडियो का सच सामने आए। लड़ने के लिए कमीनापन नहीं, सही मायनों में हिम्मत की जरूरी होती है। क्या मोदी सरकार ये हिम्मत दिखाएगी।

वोट की कोई कीमत नहीं !

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों के लिए अब चुनाव प्रचार बन्द हो चुका है। 17 नवम्बर को छत्तीसगढ़ की शेष 70 सीटों व मध्य प्रदेश की सभी 230 सीटों के लिए इन राज्यों के मतदाता अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करके अपनी मनमाफिक राजनैतिक दल की सरकार का गठन करेंगे। दोनों ही राज्यों में असली मुकाबला कांग्रेस व भाजपा के बीच हो रहा है और शेष सभी छोटी–मोटी पार्टियों को 'वोट कटुआ' माना जा रहा है। चुनावों में मतदाता जिस वोट के अधिकार का प्रयोग करते हैं वह स्वतन्त्रता संग्राम के महानायक महात्मा गांधी द्वारा उन्हें दिया गया बेशकीमती अहिंसक हथियार है जिस पर भारत का पूरा लोकतन्त्र टिका हुआ है। मगर वोट का अधिकार इस देश के लोगों को अपनी पुरानी पीढिध्यों की कुर्बानी देने के बाद मिला है क्योंकि उन्होंने न केवल भारत की आजादी की लड़ाई लड़ी थी बल्कि आम भारतीय के स्वाभिमान और नागरिक सम्मान की लड़ाई भी लड़ी थी। महात्मा गांधी ने 1934 में ही घोषणा कर दी थी कि स्वतन्त्र भारत में इसके प्रत्येक वयस्क स्त्री–पुरुष नागरिक को एक वोट का अधिकार देकर संसदीय प्रणाली का लोकतन्त्र अपनाया जायेगा। इससे पहले पं. मोती लाल नेहरू की सदारत में कांग्रेस पार्टी की गठित संविधान समिति ने अपनी रिपोर्ट में साफ कर दिया था कि भारत में राज्यों के संघीय ढांचे के तहत प्रदेशों व केन्द्र के अधिकार अलग–अलग होंगे और इनकी सरकारों का गठन हर पांच साल के लिए प्रत्येक अमीर–गरीब, हिन्दू–मुसलमान, मजदूर–पूंजीपति, शिक्षित–अनपढ़ वयस्क को एक वोट का अधिकार देकर चुनावों के जरिये किया जायेगा। इस मोतीलाल कमेटी में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस व मौलाना आजाद भी शामिल थे। मगर 1935 में जब हिन्दोस्तान की हुकूमत पर काबिज ब्रिटिश सरकार ने नया भारत सरकार कानून बनाया और 11 एसेम्बलियों के चुनाव कराने की बात कही तो उसमें वोट का अधिकार केवल जमींदारों, साहूकारों, आयकरदाताओं व उच्च शिक्षित लोगों को दिया गया। यह संख्या उस समय बामुश्किल दस प्रतिशत से कुछ अधिक बैठती थी। परन्तु जब 1946 में भारत का संविधान लिखा जाना शुरू हुआ तो इसमें मोती लाल कमेटी की लगभग सभी प्रमुख सिफारिशों का समावेश हुआ। संविधान लिखने वाले डा. बाबा साहेब अम्बेडकर ने गांधी का आशीर्वाद लेकर ही संविधान लिखा, हालांकि उनके कुछ वैचारिक मतभेद अपनी जगह पर थे, मगर बाबा साहेब गांधी जी के इस सिद्धान्त से पूरी तरह सहमत थे कि भारतीय लोकतन्त्र में एक राजा–महाराजा को जो राजनैतिक अधिकार मिले वह किसी रिक्शा खींचने वाले और खेत में मजदूरी करने वाले व्यक्ति के बराबर ही हो। अतः भारतीय संविधान में एक समान मताधिकार का कानून बनाया गया और सदियों से साहूकारों व महाजनों और राजा–महाराजाओं के शासन में गुलामों की तरह जीवन जीने वाले लोगों को नये भारत का 'राजा' वोट के अधिकार के माध्यम से बनाया गया। अतः भारत के लोगों को मिले इस एक वोट की कोई कीमत नहीं आंकी जा सकती। मगर भारत चूंकि विभिन्न धर्मों को मानने वालों व विभिन्न जातियों व संस्कृतियों और क्षेत्रों में बंटा देश है अतः चुनाव लड़ रहे विभिन्न राजनैतिक दल मतदाताओं की धार्मिक व जातिगत आदि की सामाजिक पहचान को आगे रख कर वोटों की गोलबन्दी करने के प्रयास करते हैं जबकि सजग लोकतन्त्र व्यक्तिगत रूप से मतदाता के सशक्तिकरण की बात करते हुए राष्ट्र को मजबूत बनाने की बात करता है और यह काम हर चुनाव में मतदाता अपनी स्थिति में आये बदलाव का जायजा लेकर कर सकता है। इसके लिए उसे सत्ता पर पिछले पांच साल से काबिज रही पार्टी की सरकार के कामों का आकलन करके करना पड़ता है। इसका मूलभूत पैमाना शिक्षा, गरीबी का स्तर, महंगाई, रोजगार, स्वास्थ्य व उसकी आमदनी में आनुपातिक इजाफा होता है। हम देख रहे हैं कि पिछले एक महीने से इन दो राज्यों समेत कुल पांच राज्यों में राजनैतिक घमासान चल रहा है और भाजपा व कांग्रेस के नेता अपना–अपना विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। मगर अब चुनाव प्रचार बन्द हो चुका है और जनता मन बना चुकी है कि उसे किस पार्टी को जिताना है और किस को हराना है। चुनावों में हार–जीत का भी सिद्धान्त होता है कि जिस पार्टी का भी चुनावी विमर्श लोगों को पसन्द आता है वही पार्टी जीत जाती है। मगर ऐसा करने के लिए जरूरी होता है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग अपने वोट का इस्तेमाल करने के लिए मतदान केन्द्र तक जायें। अतः हम इन राज्यों की जनता से केवल यही अपील कर सकते हैं कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। इस मामले में भी हमारे देश के गांव बहुत आगे रहते हैं जहां मतदान का प्रतिशत शुरू से ही शहरों के मुकाबले अधिक रहता आया है।

इजराइल और युद्ध अपराध

इजराइल और युद्ध के 39वें दिन गाजा में हमास की संसद पर इजराइली सेना ने कब्जा कर लिया है और वहां अपना झंडा भी फहरा दिया है। हमास के पास ऐसी कोई ताकत नहीं है जो इजराइली सेना आईडीएफ को रोक सके। गाजा में चारों तरफ अराजकता का माहौल है। नागरिक हमास के ठिकानों को लूट रहे हैं। हमास के लड़ाके द्धक्षिण की ओर भाग रहे हैं। युद्ध में अब तक 11 हजार से ज्यादा फिलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। जबकि 1400 के लगभग इजराइली मारे जा चुके हैं। गाजा के नागरिकों का अब हमास की सरकार में कोई विश्वास नहीं रहा है। हमास की संसद यानि फिलस्तीनी विधान परिषद 2007 से हमास के नियंत्रण में था जिसमें अब इजराइली सैनिक बैठे हुए हैं। कुछ दिन पहले इजराइल ने कहा थाद्ध क गाजा को दो हिस्सों उत्तर और दक्षिण में बांट दिया गया है। उत्तर गाजा की सड़कों पर दर्जनों शव पड़े हुए हैं। अस्पतालों को भी इजराइल ने निशाना बनाया है। ऊल–कुदस अस्पताल और ऊल–शिफा अस्पताल में हमलों के चलते मासूम बच्चे मारे गए हैं। अस्पताल कब्रगाह बन चुके हैं। इजराइल का आरोप है कि इन अस्पतालों के नीचे हमास के लड़ाकों का कमान सैंटर है। इजराइल का कहना है कि वह आरपार की लड़ाई लड़ रहा है और वह बंधकों की सुरक्षित रिहाई तक युद्ध जारी रखेगा। ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि हमास इजराइली बंधकों की रिहाई के लिए तैयार हो गया है। इजराइली हमलों में मारे गए 4500 बच्चों को लेकर कोहराम मचा हुआ है। यह साफ है कि युद्ध में मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन हुआ है। इजराइल की बदले की कार्रवाई से ज्यादातर लोग निर्दोष आम फिलस्तीनी नागरिक हैं। यह युद्ध पहले की लड़ाइयों से अलग है। यह युद्ध ऐसे वक्त में छिड़ा है जब मध्यपूर्व को विभाजित करने वाली रेखाओं के टूटने की गूंज सुनाई दे रही है। पिछले दो दशकों में बिखरे हुए मध्यपूर्व के राजनीतिक परिदृश्य में सबसे गम्भीर विभाजन ईरान के मित्र देशों और अमेरिका के सहयोगी देशों के बीच देखा गया है। अक्सर 'प्रतिरोध की धुरी' कहे जाने वाले 'ईरानी नेटवर्क' में लेबनान का हिजबुल्लाह, सीरिया की बशर अल–असद हुकूमत, यमन के हुथी विद्रोही और इराकी मिलिशिया शामिल हैं. इराकी मिलिशिया को ट्रेनिंग और हथियार दोनों ही ईरान से मिले हैं। ईरान गाजा पट्टी में हमास और फिलस्तीन इस्लामी जिहाद का भी पुरजोर समर्थन करता है। दूसरी ओर, ईरान रूस और चीन से भी अपनी नजदीकियां बढ़ा रहा है। यूक्रेन में चल रहे रूस के युद्ध में ईरान एक महत्वपूर्ण भागीदार बन गया है। चीन ईरान से बड़ी मात्रा में तेल खरीदता है। जब तक गाजा में युद्ध जारी रहेगा, और जब तक इजराइल फिलस्तीनी लोगों को मारना और उनके घरों को बर्बाद करना जारी रखेगा, तब तक दोनों पक्षों के और अधिक सदस्यों के संघर्ष में शामिल होने का जोखिम बना रहेगा। इजराइल और लेबनान की सीमा पर धीरे–धीरे तनाव बढ़ता जा रहा है। न तो इजराइल और न ही हिजबुल्लाह आर–पार की लड़ाई चाहते हैं। मध्यपूर्व के तेल सम्पदा वाले देश मिस्त्र, जार्डन अमेरिका के साथ हैं। गाजा हमले के खिलाफ सऊदी अरब के रियाद में मुस्लिम देशों के नेताओं की बैठक में तुरंत संघर्ष विराम और फिलस्तीनी मुद्दे के समाधान की मांग की गई। सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों को लागू करने में दोहरे मानदंडों का मुद्दा उठाते हुए पश्चिमी देशों की खामोशी की आलोचना की। लेकिन जब ईरानी राष्ट्रपति और कुछ अन्य देशों ने इजराइल और उसके सहयोगी देशों को तेल की सप्लाई रोकने तथा आर्थिक और राजनयिक संबंध तोड़ने का प्रस्ताव रखा है तो इस प्रस्ताव का विरोध भी हुआ। इसका अर्थ यही है कि मुस्लिम देश भी एकमत नहीं थे। संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन समेत कुछ देशों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन ने 2020 में इजराइल के साथ राजनयिक संबंध बहाल किए थे। अरब लीग के कुछ देश ऐसे हैं जिनके इजराइल के साथ आर्थिक संबंध हैं। ऐसे में इस्लामी देश इजराइल पर कोई भी दबाव बनाने में विफल रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इजराइल गाजा पर पूरी तरह से कब्जा करना चाहता है। जून 1967 के युद्ध में पश्चिमी किनारे, पूर्वी यरुशलम और सीरिया की गोलान की पहाड़ियों के साथ–साथ गाजा पर इजराइली फौज के कब्जे के साथ यह पट्टी इजराइल के लिए सुरक्षा की समस्या बन गई है। अब फिर गाजा में रहने वाले लाखों लोग शरणार्थी बन चुके हैं। यह स्पष्ट है कि बहुत बड़ी मानवीय त्रास्दी पैदा हो चुकी है। बड़ी संख्या में शवों को दफनाने के लिए जमीन में गड्ढे खोदे जा रहे हैं। बेघर हुए लाखों लोगों के पुनर्वास के लिए कोई पहल नहीं की जा रही। इन लोगों को फिर से बसाने के लिए कौन पहल करेगा। खतरनाक हो चुकी जंग में युद्ध अपराध हो रहे हैं। 1939 से 1945 तक दूसरा विश्व युद्ध हुआ। इस युद्ध में साढ़े पांच करोड़ से ज्यादा लोग मारे गए। इस विश्व युद्ध में पहले परमाणु बम का इस्तेमाल हुआ। ऐसी तबाही फिर न हो इसे रोकने के लिए 1949 में जेनेवा सम्मेलन में युद्ध के नियम बनाए गए। इसमें तय किया गया कि युद्ध के दौरान आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा सकता। रिहायशी इलाकों, स्कूलों, कालेजों और अस्पतालों को निशाना नहीं बनाया जा सकता। आम नागरिकों के लिए बनाए गए कैम्पों पर भी हमला नहीं किया जा सकता लेकिन इजराइल ने सभी सीमाएं तड़ दी हैं और मानवता कराह रही है। हमास के आतंक का खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। कब होगा युद्ध विराम कुछ कहा नहीं जा सकता।

अखिलेश यादव की चुनावी तैयारी देखकर उड़ सकती है भाजपा की नींद

खेती–किसानी में सबसे ज्यादा विकास दर वाले मध्य प्रदेश में कांग्रेस की उपेक्षा से क्या समाजवादी पार्टी ने मान लिया है कि अगले आम चुनाव में उसे अकेले अपने दम पर ही उतरना होगा? अखिलेश यादव ने आगे बढ़कर अपने असर वाले उत्तर प्रदेश में जिस तरह आम चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं, उसके संकेत तो यही हैं।

चुनाव में जीत–हार बाद का मसला है, लेकिन अखिलेश की तैयारियों से साफ है कि अगर गठबंधन की थोड़ी गुंजाइश बनी भी तो उत्तर प्रदेश में गठबंधन उनकी ही शर्तों पर होगा। अखिलेश जिस तरह जुटे हुए हैं, उससे लगता है कि अगर गठबंधन नहीं भी होता तो भी समाजवादी पार्टी अपने

दम पर उतरने में भी नहीं हिचकेगी।

अखिलेश को लेकर यह सोच इसलिए बन रही है, क्योंकि उन्होंने ऐलान कर दिया है कि समाजवादी पार्टी राज्य की 80 में से 65 सीटों पर खुद उतरेगी। पंद्रह सीटों को छोड़कर अखिलेश यादव ने गठबंधन की गुंजाइश तो छोड़ी है। अखिलेश के साथ विधानसभा चुनाव लड़ चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर अखिलेश का साथ छोड़ चुके हैं। जिस तरह बहन जी यानी मायावती ने जिस तरह 'एकला चलो रे' का राग अपना रखा है, उससे अखिलेश मान चुके हैं कि बहुजन समाज पार्टी से इस बार गठबंधन संभव नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन था। तब इसे 'बुआ–बबुआ' का गठबंधन माना जा रहा था। साल 2017 के विधानसभा चुनावों में अखिलेश यादव की पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन था, तब उस गठबंधन को राहुल गांधी के साथ के चलते 'यूपी के लड़के' कहा गया था। वैसे तो हर चुनाव में हर राजनीतिक दल के लिए गुंजाइश होती ही है।

लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में अतीत में ये दोनों गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के सामने काम नहीं आए। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी का साफ गठबंधन नहीं था। लेकिन यह भी सच है कि समाजवादी पार्टी ने अमेठी और रायबरेली में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। लगता है कि पिछले दो विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों के अनुभव से अखिलेश सीखने की कोशिश कर रहे हैं। बेशक नीतीश कुमार और ममता बनर्जी की पहल पर अखिलेश ने विपक्षी इंडी गठबंधन में शामिल होने के लिए कदम बढ़ाया। लेकिन जिस तरह मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने उन्हें किनारे किया, उससे वे नाराज हैं। अखिलेश अपनी नाराजगी जाहिर करने से नहीं हिचकते। कमलनाथ के बयान के बाद जिस तरह अखिलेश ने तीखी प्रतिक्रिया जताई, उससे साफ है कि कांग्रेस को लेकर इस बार वे सहज नहीं हैं। लेकिन

भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने के लिए वे कांग्रेस का साथ ले सकते हैं। लेकिन कांग्रेस का जैसा रवैया है, जिस तरह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों को अनदेखा किया है, इसलिए वे कांग्रेस के साथ भी भरे मन से जा सकते हैं। क्योंकि अखिलेश नहीं चाहते कि चुनावों में विगत के दो लोकसभा चुनावों की तरह उनकी हालत हो।

विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी के बाद शायद अखिलेश ही ऐसे नेता हैं, जो पूरी शिद्दत के साथ अपनी चुनावी तैयारी में व्यस्त हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पीडीए के फॉर्मूले पर काम शुरू किया है। पी यानी पिछड़ा, डी यानी दलित और ए यानी अल्पसंख्यक। अखिलेश अपने कार्यकर्ताओं से इस ए के साथ आधी दुनिया यानी महिलाओं को भी जोड़ने की बात कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी का वोट बैंक एमवाई यानी मुस्लिम–यादव के गठजोड़ पर केंद्रित रहा है। अतीत में राज्य की गैर यादव पिछड़ी जातियों का भी उसे साथ मिलता रहा है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के उभार के बाद गैर यादव पिछड़ी जातियों का बड़ा हिस्सा उसके साथ आ गया है। कोइरी, निषाद, कान्दू, गोंड़, नाई, खरवार, नोनिया, कुर्मी आदि जातियों का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा के साथ है। बहुजन समाज पार्टी की स्थिति खराब होने की एक बड़ी वजह उसके दलित वोट बैंक में पड़ी दरार है। अब दलितों में ज्यादातर जाटव वर्ग ही बहुजन समाज पार्टी के साथ हैं। डोम, बसफोर, धोबी, दुसाध या पासवान जैसी जातियों का रुझान पिछले कुछ चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के साथ दिखा है। अखिलेश की निगाह गैर जाटव दलित और गैर यादव पिछड़ी जातियों पर भी है। चूंकि राजभर और नोनिया जातियां साथ आती रही हैं और ओमप्रकाश राजभर अब भाजपा के साथ हैं, इसलिए इनमें सेंध लगाना अखिलेश के लिए आसान नहीं होगा। पिछले कुछ चुनावों में महिलाओं ने खुलकर भाजपा का साथ दिया है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा इसके अपवाद हैं। अब महिलाओं की चुनावी सोच अपने पतियों, बेटों, पिताओं या घर के अन्य पुरुष सदस्यों की सोच पर निर्भर नहीं रही। देर से ही सही, अखिलेश इसे समझते नजर आ रहे हैं। इसीलिए वे पीडीए के फॉर्मूले में महिलाओं को भी शामिल कर रहे हैं। अपने कार्यकर्ताओं को वे महिलाओं के बीच जाने को कह रहे हैं। वैसे भी उनके वोट बैंक के प्रमुख जातीय समूह के बारे में आम धारणा है कि वह आक्रामक होती है, इसलिए महिलाओं के बीच अखिलेश कितना लोकप्रिय हो पाएंगे, यह कहना मुश्किल है।

अखिलेश को अब आभास हो गया है कि उनकी चुनौती बड़ी है। 2012 का विधानसभा चुनाव जीतने और कम उम्र में मुख्यमंत्री का पद पा लेने के बाद राजनीति की पथरीली चुनौतियों को वे उतनी गहराई से शायद नहीं समझ पाते थे, जितनी समझ उनके पिता मुलायम सिंह की थी। लेकिन लगातार चार चुनावों में पिछड़ने के बाद लगता है कि वे राजनीति को ठीक से समझने लगे हैं। इसीलिए वे अपनी तरह से राजनीति को धार दे रहे हैं। शायद यही वजह है कि वे अपने तरीके से अपनी राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। चूंकि लगातार चार चुनावों और दो नगर निकाय चुनावों में समाजवादी पार्टी भाजपा के सामने लगातार पिछड़ती रही है। इस आधार पर माना जा सकता है कि अखिलेश के सामने चुनौती कम नहीं हुई है। लेकिन कम से कम वे राहुल गांधी की तुलना में कहीं ज्यादा गहरी कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इस तथ्य को कांग्रेस भी समझ ही रही होगी। लेकिन उसके उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शायद इसे नहीं समझते या फिर पार्टी को अपने दम पर आगे लाने का उन पर बढ़ा दबाव, वे अखिलेश को नाराज करने से खुद को रोक नहीं पाए। अजय राय का चिढ़ाऊ बयान और मध्य प्रदेश में राहुल की अनदेखी ने शायद अखिलेश के लिए एकला चलो रे की धुन पर उत्तर प्रदेश का चुनावी राग गाना मजबूरी भी है। अगर मजबूरी में ही वे शिद्दत से तैयारी करते नजर आ रहे हैं तो भारतीय जनता पार्टी को उनसे चौकस रहना होगा। उनकी रणनीतियों पर निगाह रखनी होगी।

पड़ोसी देश में चुनाव, भरपूर है राजनीतिक तनाव, भारत, चीन और पाकिस्तान तीनों की नजर क्यों है टिकी हुई?

बांग्लादेश में 7 जनवरी को संसदीय चुनाव होंगे। प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन ने देश को हिलाकर रख दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त हबीबुल अवल ने एक लाइव टेलीविजन प्रसारण में जानकारी देते हुए बताया कि 12वां संसदीय चुनाव 7 जनवरी को 300 सीटों पर होगा। उन्होंने पार्टियों से राजनीतिक संकट को हल करने के लिए बातचीत करने का आग्रह किया। मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के शीर्ष नेता या तो जेल में हैं या निर्वासन में हैं। बीएनपी ने पहले ही कहा है कि अगर प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा नहीं देती हैं और सामान्य की देखरेख के लिए एक गैर–पक्षपातपूर्ण कार्यवाहक सरकार को सत्ता हस्तांतरित नहीं करती हैं तो वह चुनावों का बहिष्कार करेंगे। जब स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से सत्ता हस्तांतरण की बात आती है तो स्वतंत्र बांग्लादेश ने इसी तरह का पैटर्न अपनाया है। राजनीति में तख्तापलट, जवाबी तख्तापलट, हत्याएं और सैन्य शासन लागू किया गया है, जिससे देश टकराव, चुनावी हिंसा, विपक्ष के प्रति असहिष्णुता और हड़ताल (बंद) की राजनीति की ओर बढ़ रहा है।

कैसी है बांग्लादेश के संसद की रुपरेखा

1971 में पाकिस्तान से अलग होने के बाद बांग्लादेश ने 1972 में खुद का संविधान बनाया। इसके बाद यहां संसदीय व्यवस्था लागू हुआ। बांग्लादेश की संसद को जातियों संगसद या हाउस ऑफ द नेशन कहा जाता है। सरकार के अनुसार इसकी नई इमारत 15 फरवरी 1982 में तैयार हुई और 200 एकड़ में बनी है। बांग्लादेश में संसद की 350 सीटों के लिए चुनाव कराया जाता है। बांग्लादेश की संसद में महिलाओं के लिए 50 सीटें रिजर्व हैं। संसद में सत्ताधारी दल के नेता प्रधानमंत्री बनते हैं और वे ही कार्यकारी प्रधान होते हैं। 2009 से ही बांग्लादेश की सत्ता में शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश आवामी लीग काबिज है।

15 सालों से शेख हसीना का शासन

हसीना ने पिछले 15 वर्षों से बांग्लादेश का नेतृत्व किया है और उन पर कठोरता से शासन करने का आरोप लगाया गया है। अगर विपक्ष का बहिष्कार जारी रहा तो उनका चौथी बार सत्ता में लौटना लगभग तय माना जा रहा है। हसीना की मुख्य प्रतिद्वंद्वी और दो बार की प्रधानमंत्री, बीएनपी नेता खालिदा जिया प्रभावी रूप से घर में नजरबंद हैं, जिसे उनकी पार्टी फर्जी भ्रष्टाचार के आरोप कहती है। बीएनपी ने 2014 के चुनावों का बहिष्कार किया, लेकिन 2018 में भाग लिया। मुस्लिम–बहुल देश की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी जमात–ए–इस्लामी और इस्लामी एंडोलन बांग्लादेश (आईएबी) पार्टी ने भी कहा कि वे चुनावों को अस्वीकार कर देंगे।

मंत्री ने रखा अपना पक्ष
विपक्ष क्यों कर रहा विरोध

विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने सात जनवरी के आम चुनाव को रद्द करने की मांग करते हुए 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया। विपक्ष ने साथ ही दावा किया कि इस चुनाव का उद्देश्य प्रधानमंत्री शेख हसीना की सत्तारूढ़ अवामी लीग सरकार को लगातार चौथे कार्यकाल के लिए सत्ता में लाना है। यह घोषणा मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल के उस बयान के एक दिन बाद आयी है जिसमें कहा गया था कि बहुप्रतीक्षित आम चुनाव 7 जनवरी को होंगे। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने सुबह 6 बजे से दो दिवसीय आम हड़ताल का आह्वान किया।

बांग्लादेश के चुनाव पर क्यों है भारत, चीन और पाकिस्तान की निगाहें

पांच साल बाद हो रहे बांग्लादेश के चुनाव पर भारत, पाकिस्तान और चीन की नजर जमी हुई है। इसे तीनों देशों के लिए काफी अहम माना जा रहा है। बांग्लादेश के गठन के बाद से ही भारत उसका महत्वपूर्ण दोस्त रहा है। दोनों देश अभी भी कई मोर्चों पर एक दूसरे के साझेदार की भूमिका में हैं। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बड़ी संख्या में चीनी प्रवासी रहते हैं। चीन बीआरआई प्रोजेक्ट के जरिए भी लगातार बांग्लादेश में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है। 2016 में चीन ने बांग्लादेश के साथ 26 समझौता किया था। वहीं शेख हसीना अगर सत्ता में फिर से वापसी करती हैं, तो पाकिस्तान के लिए आगे की राह आसान नहीं रहने वाला है। पाकिस्तान को खालिदा जिया की पार्टी से उम्मीद है। अगर खालिदा जिया की पार्टी सत्ता में आती है, तो कई मोर्चों पर दोनों देश फिर से साझेदार बन सकता है।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा आज से शुरू, श्रद्धालु उगते सूर्य को अर्घ्य देकर करते है प्रणाम

लखनऊ। पुत्र मनोकामना और उसके दीर्घायु तथा कुशलता के लिए चार दिवसीय लोक आस्था का पर्व छठ पूजा (सूर्योपासना) 17 नवंबर से शुरू कर 20 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर समापन होगा। सूर्योपासना के इस पवित्र चार दिवसीय पर्व के पहले दिन परवातिन (व्रत करने वाले) श्रद्धालु अंतःकरण की शुद्धि के लिए कल नहाय–खाय के संकल्प के साथ नदियों–तालाबों के स्वच्छ जल में स्नान करने के बाद अरवा भोजन ग्रहण कर व्रत को शुरू करेंगे। उसके बाद और चौथे दिन उगते सूर्य को गंगा में खड़े होकर अर्घ्य देकर व्रत समाप्त किया जाता है। यही एक ऐसा पर्व है जिसमें मूर्ति की पूजा नहीं होती और अस्ताचलगामी सूर्य का अर्घ्य दिया जाता है अन्यथा उगते सूर्य को ही अर्घ्य देकर उन्हें प्रणाम किया जाता है। छठ पर्व के दूसरे दिन को खरना के रूप में जाना जाता है। हालांकि इसी दिन से छठ व्रती का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाता है। शाम के वक्त अरवा चावल, दूध, गुड़, खीर इत्यादि का प्रसाद बनता है तथा भगवान भास्कर को चढ़ाने के बाद व्रती अल्प प्रसाद ग्रहण करती हैं। इस दिन निर्जला उपवास की शुरुआत हो जाती है। छठ पूजा में तीसरे दिन को सबसे प्रमुख माना जाता है। इस मौके पर शाम के समय नदी या तालाब में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। बांस की टोकरी में फलों, ठेकुआ, चावल के लड्डू आदि से अर्घ्य के सूप को सजाया जाता है। चौथे दिन सुबह भगवान भास्कर के उदीयमान स्वरूप को अर्घ्य दिया जाता है। सुबह श्रद्धालु छठ घाट पहुंचते हैं और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसके बाद परवातिन द्वारा पारण किया जाता है तथा छठ का व्रत खोल दिया जाता है, इसी के साथ छठ पर्व का समापन भी हो जाता है। छठ पर्व मुख्य रूप से बिहार में बड़े धूम धाम से मनाया जाता है। धीरे–धीरे इसका स्वरूप बढ़ता गया। यह पर्व अब पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों के साथ सात समुंदर पार जहां भी सनातनी हैं वहां भी मनाया जाता है। यह पर्व मैथिल, मगध और भोजपुरी लोगों का सबसे बड़ा पर्व है।

एएमयू में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मेडिसिन और यूनानी मेडिसिन संकायों के छात्रों विश्व मधुमेह दिवस पर लोगों को मधुमेह होने की संभावनाओं को कम करने के बारे में शिक्षित करने के लिए आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं और शिक्षिकाएं नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल, प्रोफेसर फरहा आजमी के मार्गदर्शन में राजीव गांधी सेंटर फॉर डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी, जे.एन. मेडिकल कॉलेज में विश्व मधुमेह दिवस मनाने के लिए एकत्र हुईं।केंद्र के निदेशक डॉ. हामिद अशरफ ने मधुमेह से निपटने के लिए निवारक उपायों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें स्वस्थ आहार, शांतिपूर्ण और तनाव मुक्त जीवन शैली, नियमित बाहरी शारीरिक गतिविधियां और टीवी, मोबाइल और कंप्यूटर पर स्क्रीन समय कम करना शामिल है। सुश्री हुमा रूही ने सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया और धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। बी.एससी. नर्सिंग चौथे सेमेस्टर की छात्राओं ने इस वर्ष की थीम, 'मधुमेह देखभाल तक पहुंच' पर प्रकाश डालने के लिए एक 'नुक्कड़ नाटक' का आयोजन किया।

यूनानी चिकित्सा संकाय में, शैक्षणिक और सह–पाठ्यचर्या समिति के तत्वाधान में विश्व मधुमेह दिवस के उपलक्ष्य में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक मौखिक प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यूनानी चिकित्सा संकाय के डीन प्रोफेसर उबैदुल्ला खान ने छात्रों में संचार कौशल विकसित करने और उन्हें संबंधित क्षेत्र में विकास का नवीनतम ज्ञान प्रदान करने के सर्वोपरि महत्व पर प्रकाश डाला। अजमल खान तिब्बिया कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर बदरुद्दुजा खान ने मधुमेह जैसी बीमारियों के प्रभाव को रोकने या कम करने में जीवनशैली में बदलाव की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। इससे पूर्व, वक्ताओं का स्वागत करते हुए, अकादमिक और सह–पाठ्यचर्या समिति की अध्यक्ष प्रोफेसर आसिया सुल्ताना ने रचनात्मकता और नवीन सोच को बढ़ावा देने और छात्रों में रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए पीजी छात्रों के लिए समिति द्वारा योजनाबद्ध आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के अंत में मौखिक प्रस्तुति कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जबकि अन्य प्रतिभागियों को भागीदारी के प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अतिया अंजुम ने किया।

दबंगों ने घर से बाहर फेंका सामान,घर पर कब्जा करने की कोशिश

बस्ती। सूबे में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। उन्हें न तो पुलिस का भय है और न ही कानून का। ताजा मामला शहर के बैरिहवां का है। यहां एक परिवार पर कुछ मनबढ़ गुरुवार की रात कहर बनकर टूट पड़े। घर कब्जा करने की नीयत से उन्होंने घरेलू सामानों के अलावा सीसीटीवी कैमरे तक तोड़ डाले। इतना ही नहीं घर में मौजूद लोगों को पिटाई कर घर से बाहर निकाल दिया और घर पर कब्जा कर लिया। पीड़ित का कहना है कि इस बाबत जब वह कोतवाली शिकायत लेकर पहुंचा तो कुछ पुलिस कर्मी हंस रहे थे बोले कोतवाल साहब नहीं हैं। काफी इंतजार के बाद जब यहां सुनवाई नहीं हुई तो एसपी आवास पर गए, यहां से फोन जाने के बाद कोतवाल पहुंचे तब जाकर मनबढ़ भागे।

पीड़ित मानसिंह चौधरी ने उच्चाधिकारियों को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि उसने बैनामे के जरिए बैरिहवां में भूमि क्रय कर मकान बनाकर पिछले 11 साल से अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। उनका कटरा निवासी एक व्यक्ति से भूमि विवाद चल रहा है। बताते हैं वह व्यक्ति और पड़ोस में रहने वाले कुछ अन्य व्यक्ति उनके मकान पर कब्जा करना चाह रहे हैं। मानसिंह ने बताया कि घर में कब्जा करने की नीयत से गुरुवार की रात में जिस व्यक्ति से भूमि विवाद चल रहा है वह अपने कई साथियों के साथ आया और घर में रखे सामान को निकालकर बाहर फेंकने लगा। जब बेटे राहुल चौधरी व अमित ने माना किया तो गाली देते हुए लोहे की रॉड से मारे पीटे। इतना ही नहीं घर में मौजूद बेटी पूजा के साथ भी अभद्रता की। घर में रखे कीमती सामान, मोबाइल आदि उठा ले गए। जिस मकान की कब्जेदारी को लेकर विवाद हुआ है, वह मकान सेक्स रैकेट को लेकर सुर्खियों में रहा है। यहां सेक्स रैकेट संचालित होने की शिकायत पर कई बार पुलिस ने छापेमारी भी की है। पिछले कुछ माह पूर्व यहां हुई छापेमारी में एक युवती भी बरामद हुई थी। देह व्यापार को लेकर जिसके साथ मारपीट की गई थी। सेक्स रैकेट संचालित करने और युवती से मारपीट के आरोप में पीड़ित की पत्नी अभी जेल में है। शहर कोतवाल विनय पाठक ने कहा कि मामला संज्ञान में है। मौके पर घरेलू सामान जो बाहर फेंके गया था उसे अंदर करा दिया गया है। अभी तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

19वीं कर्नल एस0 एन0 मिश्र ओ0 बी0 ई0 मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता

लखनऊ। 19वीं कर्नल एस0 एन0 मिश्र ओ0 बी0 ई0 मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन आज एन. आर स्टेडियम, चारबाग लखनऊ में कर्नल एस0 एन0 मिश्र ओ बी ई मेमोरियल स्कूल साउथ सिटी के तत्वाधान में किया गया। प्रतियोगिता का उदघाटन मुख्य अतिथि के रूप में पवन चौहान एम .एल सी विशिष्ट अतिथि टी0 एन0 मिश्रा अध्यक्ष, बी0 एस0 एन0 वी0 इन्सिटीयूट, डॉ प्रीती बाजपई डीन बिरला इंस्टीटयूट दुबई ,सन्मय शुक्ला प्रबंधक ,प्रीती त्रिवेदी डायरेक्टर,पूजा सिंह प्रिंसिपल कर्नल एस0 एन0 मिश्र ओ0 बी0 ई0 मेमोरियल स्कूल, डॉ जय शंकर पांडेय बप्पा, श्री नारायण स्नातकोत्तर माहा विधालय, प्रतियोगिता सचिव आलोक भारद्वाज व अन्य पदाधिकारी व सदस्य भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने सबसे पहले कर्नल मिश्र की फोटो पर माल्या–अपण कर सभी खिलाड़ियों को सम्बोधित किया व शुभ आशीष दिया। प्रतियोगिता का पहला उद्घाटन मैच में डी. ए. वी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। अंतरिक्ष के 11 एवं मोइज के 25 रनों के बदौलत 16.5 ओवर में 81 रन ही बना सकी। जवाब में कर्नल एसएन मिश्र ओबीई मेमोरियल स्कूल के अभिषेक मिश्रा के 29 एवं रवि रावत के 28 रन एवं 16 अतिरिक्त रनों की सहायता से 12.5 ओवर में 4 विकेट खो कर आसानी से जीत हासिल किया। अभिषेक मिश्रा की शानदार गेंदबाजी एवं बल्लेबाजी के कारण उन्हें मैन आफ द मैच चुना गया। वही दूसरा मैच दिल्ली पब्लिक स्कूल जानकीपुरम और सेंट्रल पब्लिक स्कूल बाराबंकी के बीच हुआ। दिल्ली पब्लिक स्कूल ने पहले टॉस जीत कर बल्लेबाजी चुनी। शुभ सिंह के 23, मानस सिंह 35, आर्यन रावत के 33 एवं हिमनिश वोहरा के शानदार ताबड़तोड़ 74 रनों के बदौलत 3 विकेट खो कर 20 ओवर में 185 रनों का विशाल लक्ष्य सेंट्रल पब्लिक स्कूल को दिया। जिसके जवाब में सेंट्रल पब्लिक 10.4 ओवर में केवल 38 रनों पर ऑल आउट हो गई। दिल्ली पब्लिक स्कूल के हिमनिश के शानदार 74 रनों की पारी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच।

ओपी राजभर को गाली देने का विरोध करना नाबालिग को पड़ा भारी, दबंगों ने पीट-पीटकर की हत्या

बस्ती। जिले में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को गाली देने का विरोध करना नाबालिग लड़के को बहुत भारी पड़ गया। गाली का विरोध करने पर दबंगों ने नाबालिग पर लाठी–डंडों से हमला किया और उसे पीट–पीटकर मौत के घाट उतार दिया है। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस इस मामला में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पूरा मामला बस्ती के नगर थाना क्षेत्र के अगईभगाड़ गांव का है। गांव के विजय पाल पर आरोप है कि बीती शाम लगभग 4 बजे कुछ दबंग शराब के नशे में मृतक रवि राजभर के घर पर चढ़ कर ओपी राजभर को गाली देने लगे। घर वालों ने जब इसका विरोध किया तो हाथापाई शुरू कर दी। इसके बाद विजय पाल अपने अन्य साथियों के साथ रवि राजभर के घर पर लाठी– डंडा लेकर चढ़ गया। जमकर मारपीट होने लगी। उसी दौरान नाबालिग किशोर रवि राजभर के सर पर लाठी से जोरदार प्रहार हुआ। वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों में से 2 को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। अन्य तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में 5 अभियुक्त नामजद हैं और 2 अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है। वहीं, इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। गांव में तनाव का माहौल है। जिसको देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

चलती बाइक बनी आग का गोला,चालक ने कूदकर बचाई जान

उन्नाव। जिले में कचहरी पुल पर एक बाइक सवार शहर की तरफ जा रहा था। अचानक उसकी बाइक में आग लग गई। इससे बाइक आग का गोला बनाकर पूरी तरह जलकर राख हो गई। चालक ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने यातायात रोका और दमकल के कर्मियों ने आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद यातायात शुरू कराया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के काशीराम कॉलोनी निवासी आरिफ पुत्र कासिम आज दोपहर किसी काम से उन्नाव शहर कचहरी पुल से होते हुए बड़े चौराहा की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान अचानक उसकी पल्सर बाइक में आग लग गई। आग की लपटें देख पास से गुजर रहे राहगीरों ने इसकी जानकारी दी। डरे सहमे आरिफ ने चलती बाइक से कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में आग तेज हो गई। आनन फानन में आग की सूचना दमकल विभाग को दी गई। इसके बाद दमकल की एक गाड़ी मौके पर रवाना की गई। मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान कचहरी पुल से शहर को आने जाने वाले वाहनों को ट्रैफिक कर्मियों ने रोका। आग बुझाने के बाद आवागमन शुरू हो सका। वहीं आग की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल की है। पुलिस ने बताया कि आरिफ को मामूली चोट आई है। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

केजीएमयू के कुलपति के आश्वासन पर टला शांति मार्च

लखनऊ। केजीएमयू के कुलपति के आश्वासन पर अनुसूचित जाति एवं ओबीसी वर्ग के संगठनों ने राजभवन तक शांति मार्च निकालने का निर्णय स्थगित कर दिया है। अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग महासंघ के अध्यक्ष से राजभवन तक शांति मार्च निकालने का निर्णय लिया गया था। आयोग द्वारा दोनों पक्षों की सुनवाई के उपरांत 29 मई को निर्देश दिया था कि बैकलॉग की भर्ती सामान्य विज्ञापन की प्रक्रिया से पहले की जाय। सामान्य विज्ञापन जवाब अभी तक नही दिया गया है।पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप से आज पांच सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल की कुलपति व कुलसचिव से वार्ता हुई, जिसमें अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग महासंघ अध्यक्ष रामचन्द्र पटेल, संविधान संरक्षण मंच के राष्ट्रीय संयोजक गौतम राणे सागर, अम्बेडकर समाजोत्थान समिति के महासचिव संतराम प्रेमी, डा.अम्बेडकर राष्ट्रीय अधिवक्ता मंच के कोषाध्यक्ष सरजूराम व सुभाषचन्द्र मौर्य शामिल हुए। कुलपति कार्यालय में वार्ता में आयोग व राज्यपाल के निर्देशों व अनुसूचित जाति,अन्य पिछड़े वर्ग के सदस्यों के साथ हुई नाइंसाफी से अवगत कराया गया, जिसपर कुलपति ने दस दिन का समय लेते हुए भर्ती की आगे की कार्यवाही स्थगित करने का आश्वासन दिया। सकारात्मक वार्ता के दृष्टिगत संगठनों द्वारा केजीएमयू से राजभवन तक के शांति मार्च को अगले दस दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया। यदि आश्वासन पर गंभीरता से विचार नही किया गया तो आन्दोलन हमारी मजबूरी होगी।

रामचन्द्र पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग एवं राजभवन कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन कर शिक्षकों के भर्ती के प्रकरण पर अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के संगठनों द्वारा उप कुलपति केजीएमयू के खिलाफ केजीएमयू में हुई त्रुटि का निस्तारण बैक लॉग की प्रक्रिया सम्पन्न होने के उपरान्त सम्पादित की जाय। भर्ती प्रकरण पर राज्यपाल ,कुलाधिपति कार्यालय द्वारा अद्यतन 19 अक्टूबर को शासन, महानिदेशक, कुलपति से रिपोर्ट मांगी है परन्तु वाइस चांसलर की हीलाहवाली के चलते

युवक ने किया सुसाइड, परिवार वाले धान की कटाई के लिए गए थे दूसरे गांव, मां के साथ घर में था अकेला

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गंगा बक्सखेड़ा बिचपरी गांव के रहने वाले युवक की संदिग्ध हालत में घर की छत से शव लटकता मिला। शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गंगाबक्सखेड़ा बिचपरी गांव के रहने वाले विश्राम का बेटा अजीत (19) का परिवार बहन के गांव धान की कटाई करने गया था। घर पर अजीत की मां गोमती मौजूद थीं। युवक खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो मां ने आवाज लगाई, पर कमरे से कोई भी जवाब नहीं आया। उसके बाद मां ने आसपास के लोगों को बुलाकर खिड़की से झांककर देखा तो उसका शव छत की धन्नी से रस्सी के सहारे लटक रहा था। शव को लटकता देख घर में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद आवश्यक कार्रवाई की है। मृतक अजीत तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बेटे की मौत की घटना होने से मां गोमती सहित अन्य परिजनों का रो–रोकर बेहाल थे। इंस्पेक्टर अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पश्चिमी इलाके में चाय की दुकान पर बैठे एक युवक से तीन लोगों ने पुरानी खुन्नश के के चलते युवक का विवाद हो गया। जिस पर मारपीट हो गई जिसमें एक युवक का सिर फट गया। मिश्रा कॉलोनी में रहने वाला जमील अहमद गांधी चौक पर एक चाय की दुकान पर बैठा था। आरोप है कि उसी दौरान गोताखोर में रहने वाला असलम पुत्र जाकिर अपने तीन साथियों के साथ वहां पहुंचा और गाली–गलौज करने लगा। जब उसने इसका विरोध जताया तो लाठी–डंडों से पीटकर सिर फोड़ दिया। पुलिस ने घायल को मेडिकल के लिए भेजा है।

बेतवा नदी में क्रूज के संचालन की तैयारी : जयवीर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ऐतिहासिक विरासत के लिए विख्यात झांसी जिले में जल्द ही जल क्रीड़ा गतिविधियां भी शुरू होंगी। पर्यटक बेतवा नदी में बोटिंग का आनंद ले सकेंगे। हाल में ही इसका न केवल ट्रायल हुआ बल्कि स्टीमर बोट, सिकारा बोट और जेट स्की भी आ चुकी है। एक माह के भीतर पर्यटकों के लिए यह सुविधा शुरू हो सकती है। इसके बाद झांसी में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। अगले सात माह में क्रूज संचालन की संभावना है। झांसी बोट क्लब के अधीन यहां बोटिंग शुरू की जा रही है। इसके लिए पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति के तहत छूट देगा। साथ ही बुंदेलखंड केंद्र व प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में है। यहां पर्यटन बढ़ाने पर खास जोर है। बेतवा नदी में नया नोट घाट पर बोटिंग शुरू कराई जाएगी। यहां स्टीमर बोट, स्पीड बोट, सिकारा बोट और जेट स्की भी संचालित होगी। विगत सात नवंबर को ट्रायल भी कराया जा चुका है। अब एक माह के भीतर पर्यटकों के लिए यह शुरू किया जा सकता है। जल क्रीड़ा गतिविधि नॉट घाट पर शुरू कराई गई है। इसका मकसद झांसी के पर्यटकों के साथ ही ओरछा और खजुराहो भ्रमण के लिए आने वाले लोगों को आकर्षित करना है। क्योंकि बेतवा नदी में यह जहां बोटिंग शुरू कराने की तैयारी है, वह ओरछा–खजुराहो एनएच पर है। बुंदेलखंड में पर्यटन की असीम संभावनाएं है। झांसी में बोटिंग समेत अन्य जल क्रीड़ा गतिविधियां शुरू होने से पर्यटकों के सामने विकल्प बढ़ेंगे। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने यूपी इनलैण्ड वॉटर–वे ऑथारटी का गठन करने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रदेश की बड़ी नदियों में क्रूज बोट संचालन किया जायेगा। इससे सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा तथा स्थानीय उत्पादों को शीघ्रता से एक स्थान से दूसरे स्थान पर परिवहन करने में आसानी होगी।

आईआईटी बीएचयू में छात्रा के साथ हुए बलात्कार पर कड़ी कार्यवाही करने के आइसा व ऐपवा ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन (ऐपवा), इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) के संयुक्त आह्वाहन पर प्रतिरोध दिवस के तहत आईआईटी बीएचयू में यौन उत्पीड़न व गैंग रेप पीड़िता व इलाहाबाद विश्वविद्यालय में दलित छात्र नेता विवेक कुमार को न्याय के लिए परिवर्तन चौक पर प्रदर्शन किया गया। साथ ही राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान जारी संयुक्त बयान में आइसा,ऐपवा,आरवाईए के प्रदेश आयुष श्रीवास्तव, कृष्णा अधिकारी, राकेश सिंह ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार केंद्र की सत्ता में आई है महिलाओं व दलितों पर बेतहाशा दमन बढ़ गया है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में घटित दो परिघटनाओं पर बात करते हैं। विगत 1 नवंबर को देर रात आईआईटी बीएचयू की एक छात्रा के साथ विश्वविद्यालय परिसर में बंदूक की नोक पर गैंगरेप किया जाता है। दूसरी तरफ इलाहाबाद विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर राकेश सिंह ने दलित समाज से आने वाले छात्र नेता विवेक कुमार डंडा से पीटकर घायल कर दिया। आईआईटी बीएचयू में छात्रा के साथ किए गए सामूहिक बलात्कार के अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में लगाया जायेगा एंटीस्लीप डिवाइस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में जल्द ही एंटी स्लीप डिवाइस लगाया जाएगा। प्रायोगिक तौर पर 10 बसों में यह लगाया जा रहा है। परिवहन मंत्री ने बताया कि एंटी स्लीप डिवाइस लगाये जाने के लिए एजेंसी का चयन हो चुका है। उन्होंने बताया कि मे. इनसेप्टम टेक्निका सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड का चयन विभाग द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि यह सफल रहा तो जल्द ही प्रथम चरण में 680 बसों में एंटी स्लीप डिवाइस लगाई जाएगी। एंटी स्लीप डिवाइस लोगों के सुरक्षा के लिए बहुत ही कारगर साबित होगा। उन्होंने बताया कि एक्सीडेंट की आशंका को देखते हुए इस एंटी स्लीप डिवाइस के माध्यम से एलईडी पर ब्लिंक होने लगेगा। जो की नाइट मोड में 5 से 8 सेकंड तथा डे–मोड में 6 से 9 सेकंड का होगा। तत्पश्चात बजर की आवाज आनी शुरू होगी। इसके पश्चात् सायरन बजेगा, तत्पश्चात एसएमएस मुख्यालय पर पहुंच जाएगा। उन्होंने बताया कि क्लाउड पर डाटा भी स्टोर हो जाएगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि इस डिवाइस को लगाने में लगभग 14 हजार रूपये प्रति यूनिट खर्च आएगा।

कंटेनर की टक्कर से महिला की मौत

लखीमपुर–खीरी। जिले में बुधवार की शाम अनियंत्रित कंटेनर ने महिला को रौंद दिया। जिससे महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपित चालक वाहन समेत फरार हो गया। बाद में ग्रामीण और पुलिस ने आरोपित कंटेनर चालक को कंटेनर सहित बनतारा से पकड़ा। पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। उचौलिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरुद्वारा निवासी स्वर्ण कौर पत्नी करनैल सिंह घर से किसी काम से सड़क के किनारे–किनारे जा रही थी। सीतापुर की ओर से आ रहे अनियंत्रित कंटेनर ने महिला को जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। जिससे महिला की मौत हो गई। ग्रामीण और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गुरुद्वारा बाजार में आए दिन दुर्घटना होती रहती है। जिसका कारण ट्रक ड्राइवर और अन्य वाहनों के ड्राइवर द्वारा रोड पर गाड़ी खड़ी कर देना बताया जा रहा है। वहां पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि पिछले 6 महीने के अंदर रोड एक्सीडेंट में लगभग चार से पांच लोग अपनी जान गवा बैठे हैं। बुधवार को फिर स्वर्ण कौर हादसे का शिकार हुई।

पोस्ट ऑफिस की तिजोरी से 16 लाख की चोरी

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के राजधानी मार्ग स्थित गंगाघाट पोस्ट आफिस से तिजोरी का ताला खोलकर चोरों ने 16 लाख की नगदी पार कर दी। सहायक पोस्ट मास्टर के आने पर चोरी की जानकारी हुई, जिस पर उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया। सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी ने जांच कर आलाधिकारियों को अवगत कराया। इसके बाद मौके पर डॉक स्क्वायड टीम पहुंची। पुलिस डाक विभाग के कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है। जांच करने वाली पुलिस भी बड़ी चोरी की घटना से हैरान है। राजधानी मार्ग ऋषि नगर गाजी खेड़ा में रतन पांडे के मकान में कई वर्षों से गंगाघाट पोस्ट ऑफिस संचालित है। पोस्ट आफिस के सब पोस्ट मास्टर अनुज अवस्थी सोमवार से छुट्टी पर थे। वर्तमान में कानपुर जेके कॉलोनी निवासी सहायक पोस्ट मास्टर आशीष चंद्र गौड़ चार्ज पर थे। आशीष ने बताया कि बुधवार रात आरडी, फिक्स डिपोजिट, सामान्य जमा निकासी, सुकन्या योजना का करीब 16 लाख रुपए कैश उन्होंने कर्मचारियों से तिजोरी में रखवाकर ताला बंद कराया था। इसके बाद उन्हें याद नहीं कि तिजोरी की चाभी उनके बैग में कर्मचारियों ने रखी कि नहीं रखी। आज जब वह पोस्ट आफिस पहुंचे, जहां पीछे के दरवाजे का ताला खुला देख उनके होश उड़ गये। अंदर पहुंचने पर कैश की तिजोरी का मेन दरवाजे का ताला मेज पर रखा था, इसके बाद उन्होंने तिजोरी चेक की। उसके भी दोनों ताले खुले थे और तिजोरी से 16 लाख रुपए गायब थे। उन्होंने सब पोस्टमास्टर अनुज को घटना की जानकारी दी और मिश्रा कॉलोनी निवासी पोस्टमैन रवि कुमार को पोस्ट ऑफिस बुलाया। इसके बाद चोरी की जानकारी गंगाघाट कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना पर गंगाघाट कोतवाली प्रभारी राजकुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने जांच की और आलाधिकारियों को अवगत कराया। इस पर डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंची। डॉग भी कुछ दूर जाने के बाद रुक गया, जिससे पुलिस को अभी तक कोई क्लू नहीं मिल सका है। गंगाघाट में वर्षों से पोस्ट ऑफिस संचालित है, इसके बावजूद यहां एक कैमरा तक नहीं लगा है, जिससे पुलिस की शक की सुई विभाग के कर्मचारियों पर ही घूम रही है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या विभाग के ही किसी कर्मचारी की संलिप्तता लग रही है। फिलहाल कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है जल्द ही मामले की खुलासा होगा।

आज भी अनेक पत्रकार है जो पूरी ईमानदारी के साथ अपने काम के साथ न्याय करने की कोशिश में लगे और उन्हीं की बदौलत लोकतंत्र का यह चौथा स्तंभ खड़ा है।

यद्यपि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है तो उसकी जिंदगी आसान तो कदापि नहीं हो सकती। क्योंकि लोकतंत्र का साधारण शब्दों में मतलब ही जितने मुंह उतनी बातें हैं। सही मायनो में पत्रकार की जिंदगी बहुत ही चुनौती पूर्ण होती है। पत्रकार के लिए हर पहलू को उजागर कर स्पष्टीकरण देना किसी वकालत से भी अधिक कठिन कार्य है। स्वार्थ पनकी कोई संभावना पत्रकार के लिए कोई मायने नहीं रखती। जब पत्रकार दिल की सुनता है तो वह पत्रकार ईमानदार कहलाता है। पेट की सुनाते ही उस पर लांछन लगता है। यदि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है तो उसकी जिंदगी आसान तो कदापि नहीं हो सकती क्योंकि लोकतंत्र का साधारण शब्दों में मतलब ही जितने मुंह उतनी बातें हैं।

पत्रकार सुरक्षा महासमिति
गुड्डू मिश्रा
प्रदेश उपाध्यक्ष

पारले चीनी मिल के पेराई सत्र का डीएम की शुभारम्भ

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा, अधिकारियों व कृषकों के साथ वैदिक मन्त्रोच्चार के बीच पारले चीनी मिल, परसेण्डी के डोंगा में गन्ना डालकर पेराई सत्र का शुभारंभ किया। पेराई सत्र के शुभारंभ अवसर पर मिल गेट पर पहुंची प्रथम बैलगाड़ी के बैलों की पूजा कर गुड़ खिलाया गया। बैल गाड़ी के साथ गन्ना लेकर आये ग्राम मंझारा बघईया के कृषक छेदीलाल को माला पहनाकर अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। डीएम व एसपी ने गन्ना किसानों और मिल प्रबन्धन को सफल पेराई सत्र के लिए शुभकामनाएं दी।डीएम मोनिका रानी ने मिल के जिम्मेदार से कहा कि प्रत्येक किसान से गन्ना खरीद कर समय से भुगतान कराया जाए। डीएम ने गन्ना कृषकों से अपील की कि वह अपना गन्ना किसी अन्य बिचौलियों को ना बेचें। बल्कि मिल में लाकर अपनी उपज का वाजिब मूल्य प्राप्त करें। डीएम ने कहा कि पारले चीनी मिल की स्थापना से इस क्षेत्र के गन्ना किसानों को काफी लाभ हुआ है। उन्होंने मिल के जिम्मेदार व गन्ना कृषकों से अपेक्षा की एक दूसरे के हित को दृष्टिगत रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। डीएम ने किसानों से अपील की खेतों में फसल अवशेष व पराली को जलाए। बल्कि बेहतर प्रबन्धन के सहारे इससे कम्पोस्ट खाद तैयार कर भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाए।

चीनी मिल के जीएम अनिल सखूजा ने बताया कि पूराई सत्र 2023–24 में मिल द्वारा 85 लाख कुण्टल पेराई का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि कृषकों को गेहूं की बुवाई में कोई असुविधा न हो। इसलिए इस वर्ष 18 दिवस पूर्व की पेराई सत्र का आगाज कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मिल कृषकों की समस्याओं के समाधान के लिए दृढ़ संकल्पित है। किसानों को यदि कोई समस्या है, तो वो मिल के जिम्मेदार से सम्पर्क कर सकते हैं।

युवती को शादी का झांसा देकर बनाया शारीरिक–संबंध, 5 बार कराया गर्भपात

बस्ती। जिले में युवती से एक युवक को प्यार हो गया, दोनों में प्यार इस कदर परवान चढ़ा किया। दोनों अक्सर मिलने लगे। युवक ने युवती से साथ जीने मरने की कसमें खाते हुए उससे विवाह करने का झूठ बोला। युवती भी उसके बहकावे में आ गई। इतना ही नहीं उसने युवती से कई बार शारीरिक संबंध भी बनाए। जिसके चलते वह पांच बार गर्भवती हुई। युवक ने युवती को लोक लाज का भय दिखाते हुए उसे पांच बार दवा खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया। मामला हर्रैया कोतवाली क्षेत्र का है।

पीड़िता ने इस बाबत पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पूरे अवधी निवासी हजरत अली उर्फ मजनू ने विवाह का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने के साथ ही उसका यौन उत्पीड़न भी किया। उसे पता चला कि युवक उससे विवाह नहीं करने वाला है, सिर्फ उसे झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बना रहा है, तो वह उसके घर जा पहुंची। जब वह अपने प्रेमी के घर गई, तो हजरत अली व उसके पिता ताज मोहम्मद, बहन जेलखा व झिनका ने उसे बुरी तरह मारा पीटा और घर से भगा दिया। पीड़िता के अनुसार यह बाद उसके घर वालों को पता चल गई। दिन रात के तानों से अब घर में रहना मुश्किल हो गया है। इतना ही नहीं जिससे वह प्रेम करती थी वह भी धोखेबाज निकाला। सोचा कि चलों उसके घर चले हो सकता है कि उसके परिवार के लोग अपना लें, लेकिन वहां भी मार फटकार मिली, ऐसे में अब वह कहां जाए। प्रभारी निरीक्षक हर्रैया देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बाइक ने युवक को मारी टक्कररू,जला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

बस्ती। जिले में एक युवक को बाइक ने जोरदार टक्कर मार दिया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से युवक को एंबुलेंस से स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान तुलसीराम की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जहां देर शाम को शव गांव में पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिवार में रोना पीटना मचा रहा। तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य रुधौली पहुंचाया। जहां तुलसीराम की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान तुलसीराम की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार की शाम को शव गांव में पहुंचते ही कोहराम मच गया। नगर पंचायत रुधौली स्थित रघुनाथपुर निवासी 35 वर्षीय तुलसीराम निषाद पुत्र पलटू निषाद गांव के ही सुरेश के साथ पड़री चौराहे की तरफ गए थे। जहां सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने

लखनऊ में शुरू हुई अग्निवीर भर्ती,पहले दिन 3 जिलों के 1180 अभ्यर्थी हुए शामिल

लखनऊ। सेना के आरओ (मुख्यालय) लखनऊ में आज से अग्निवीर भर्ती रैली का आगाज हुआ। पहले दिन ओरैया, चित्रकूट और कन्नौज के करीब 1 हजार 180 अभ्यर्थी शामिल हुए। 22 नवंबर तक चलने वाली भर्ती में कुल 13 जिलों के करीब 11 हजार अभ्यर्थियों के शामिल होने की उम्मीद हैं। बुधवार शाम से ही कैंट स्थित सूर्य स्टेडियम के आसपास बड़ी संख्या में अभ्यर्थी दिखने लगे थे। अग्निवीर भर्ती के लिए होने वाली दौड़ में भाग लेने के लिए पहुंचे इन युवा अभ्यर्थियों ने स्टेडियम के आसपास रात बिताई। इस रैली में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों ने अप्रैल के महीने में आयोजित सीईई यानी ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम पास की थी। उसके बाद ही इन अभ्यर्थियों को शार्ट लिस्ट करके एडमिट कार्ड जारी किया गया था। इस भर्ती रैली के जरिए जनरल ड्यूटी, टेक्निकल, क्लर्क स्टोर कीपर टेक्निकल, ट्रेड्समैन के पदों के लिए रिक्रूटमेंट किया जाएगा। वहीं महिला मिलिट्री पुलिस भर्ती 27 और 28 नवंबर को लखनऊ में होगी।

सुब्रत रॉय पंचतत्व में विलीन,16 साल के पोते ने मुखाग्नि दी

लखनऊ। सहारा इंडिया के चेयरपर्सन सुब्रत रॉय गुरुवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। सुब्रत रॉय की अंतिम यात्रा शाम साढ़े चार बजे लखनऊ के सहारा शहर से बैकुंठ धाम पहुंची। यहां पर 16 साल के पोते हिमांक ने मुखाग्नि दी। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव, फिल्म डायरेक्टर बोनी कपूर और अभिनेता राज बब्बर मौजूद रहे।

हिमांक, सुब्रत रॉय के छोटे बेटे सीमांतो का बेटा है, जो लंदन में पढ़ाई करता है। दोनों बेटे सुशांतो और सीमांतो अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुए। दोनों विदेश में हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उनके लिए ही अंतिम संस्कार एक दिन देरी से किया गया। मगर वह नहीं आए। इस पर न तो रॉय परिवार से कोई कुछ कह रहा है, न ही सहारा परिवार का बयान आया है। सुब्रत रॉय की पत्नी स्वप्ना रॉय 10वीं में पढ़ने वाले पोते हिमांक, भतीजी प्रियंका सरकार और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बुधवार को लखनऊ पहुंचीं। सुब्रत रॉय का पार्थिव शरीर एक चार्टर्ड प्लेन से यहां लाया गया। सुब्रत रॉय का मंगलवार रात 10.30 बजे मुंबई में निधन हुआ था। वे लंबे समय से बीमार थे। सहारा इंडिया ग्रुप ने बताया कि सुब्रत रॉय सहारा को मेटा स्टैटिक मेलिगनेंसी (एक तरह का कैंसर), हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की समस्या थी। कार्डियोरेस्पिरेटरी अरेस्ट के कारण उनका निधन हुआ।

वे 12 नवंबर से कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल और मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (केडीएएच) में भर्ती थे।

सड़क–हादसे में बड़े भाई की मौत, छोटा घायल

बहराइच। जिले में बृहस्पतिवार को दो बाइक की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार बड़े भाई की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि छोटा भाई घायल हो गया। उसे पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया। साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना मिहीपुरवा बिछिया मार्ग की है।

सुजौली थाना क्षेत्र के सुजौली निवासी भीम (18) पुत्र हरिश्चंद्र अपने छोटे भाई अर्जुन कुमार के साथ बाइक से मिहीपुरवा बाजार बृहस्पतिवार को आया था। काम निपटाने के बाद भीम बाइक से भाई के साथ घर लौट रहा थाय मिहीपुरवा बिछिया मार्ग पर हंसुलिया पुल के पास भीम की बाइक से दूसरे बाइक सवार की आमने–सामने टकरा हो गई। हादसा इतना भीषण था कि सभी सड़क पर बिखर गए। मौके पर ही भीम की मौत हो गई। जबकि बाइक पर पीछे बैठा छोटा भाई अर्जुन घायल हो गया। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक मोतीपुर दद्दन सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल को सीएचसी मोतीपुर में भर्ती कराया। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त वाहन को पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

फार्मेसिस्ट फेडरेशन साइंटिफिक कमेटी के चेयरमैन प्रो डॉ हरलोकेश को इंटरनेशनल फेलोशिप अवार्ड'

लखनऊ। फार्मेसिस्ट फेडरेशन से जुड़े अनेक वैज्ञानिक लगातार विश्व में अपनी ख्याति स्थापित कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं, इसी क्रम में फार्मेसिस्ट फेडरेशन की वैज्ञानिक कमेटी के चेयरमैन प्रो डॉ हरलोकेश नरायण यादव को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए फेलोशिप ऑफ इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। वे अपने नाम के पश्चात सम्मान के रूप में FIACS लिखने को अधिकृत हो गए हैं। उत्तर प्रदेश के चंदौली निवासी डॉ यादव का नाम विश्व भर के उन 250 वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने अपना विशेष योगदान हृदय रोग के विभिन्न शोध के लिए दिया है। हाल ही में डॉ यादव का शोध पत्र जनरल ऑफ न्यूट्रीशनल बायोकेमिस्ट्री के 113वें अंक में प्रकाशित किया गया है जिसमे पल्मोनरी अर्टिरियल हाइपरटेंशन के उपचार में महत्वपूर्ण योगदान बताया गया है। ज्ञातव्य है कि इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज कनाडा के मैनिटोबा विश्वविद्यालय स्थित एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है। जिसके अध्यक्ष प्रो ग्रांट पियर्स हैं। यह संस्था प्रतिवर्ष हृदय रोग के रिसर्च में विशेष योगदान देने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित करती है। कुछ दिनों पूर्व हरलोकेश को प्रो. यन एस ढल्ला ओरेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।डॉ. हरलोकेश नारायण यादव एम्स दिल्ली के फार्माकोलोजी विभाग में एडिसनल प्रोफेसर है जो पल्मोनरी हाइपरटेन्शन नामक गम्भीर बीमारी के बारे में महत्वपूर्ण अनुसंधान कार्य कर रहे है। इस बीमारी के पता लगने के 4 से 8 साल मे जादातर मरीजों की मृत्यु हो जाती है। इसके साथ ही अनेक रिसर्च डॉ हरलोकेश द्वारा किए जा रहे हैं। डॉ हरलोकेश फार्मेसिस्ट फेडरेशन की साइंटिफिक विंग के चेयरमैन के रूप में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से फार्मा वैज्ञानिकों, शिक्षकों, छात्रों और फार्मेसी विदों को अपग्रेड कर रहे हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलने पर फेडरेशन के संयोजक के के सचान, अध्यक्ष सुनील यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जे पी नायक, उपाध्यक्ष ओ पी सिंह, राजेश सिंह, महामंत्री अशोक कुमार, यूथ विंग के अध्यक्ष आदेश, महासचिव ज्ञान चंद्र, सचिव पी एस पाठक,रिटायर्ड विंग के अध्यक्ष जय सिंह सचान, महामंत्री आर आर चौधरी सहित अनेक पदाधिकारियों ने प्रो हरलोकेश को बधाई दी है ।

एसपी ने थानाध्यक्षों के कार्यक्षेत्र में किया बदलाव,

दद्दन को बनाया गया मोतीपुर का प्रभारी निरीक्षक, नगर का कोतवाल बनाए गए मनोज कुमार पांडेय

बहराइच। जिले में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए एसपी ने 4 थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। मोतीपुर के स्थानांतरित थानाध्यक्ष को भी इस बार एसपी ने हटा दिया है। डीजीपी ने बीते सप्ताह स्थानांतरित थानाध्यक्षों को कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए थे। श्रीधर पाठक का स्थानांतरण एक माह पूर्व ही गोरखपुर में कर दिया गया था। इसके बाद भी वह कुर्सी नहीं छोड़ रहे थे। डीजीपी के आदेश के बाद पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा ने मोतीपुर के प्रभारी निरीक्षक को थाने से हटा दिया है। उनके स्थान पर जरवल रोड में तैनात निरीक्षक दद्दन सिंह को प्रभारी निरीक्षक बनाया है। वहीं कोतवाली नगर में तैनात प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मा गौड़ को कोतवाली देहात और कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पांडेय को नगर का कोतवाल बनाया गया है। गैर जनपद से स्थानांतरित होकर आए विनोद कुमार राव को जरवल रोड थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। एसपी ने इस तबादला एक्सप्रेस के बाद अन्य थाना प्रभारियों में हडकंप मचा हुआ है।

अखिलेश–ओवैसी के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने पर जवाब दाखिल,

ज्ञानवापी में शिवलिंगनुमा आकृति मिलने के बाद दिए थे बयान, अगली तारीख 20 नवंबर तय

वाराणसी। वाराणसी में ज्ञानवापी मामले में बयानबाजी पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी सहित 2000 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग पर आज सुनवाई हुई। वाराणसी के अपर सत्र न्यायाधीश नवम विनोद यादव केस की सुनवाई करेंगे। असदुद्दीन ओवैसी की ओर से अधिवक्ता एहतेशाम आब्दी और शवनवाज परवेज ने कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया है, जज उसके अलावा सभी पक्षों को सुनेंगे। प्रतिवादी अखिलेश यादव की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव ने पक्ष रखा, लिखित जवाब दाखिल किया वहीं वादी यानी हरिशंकर पांडेय FIR दर्ज करने की मांग की है। कोर्ट ने शेष लोगों को तलब करते हुए 20 नवंबर तक जवाब मांगा है। अपर जिला जज (नवम) की अदालत में प्रतिवादी पक्ष यानी अखिलेश यादव, असदुद्दीन ओवैसी पर सिविल कोर्ट के एडवोकेट हरिशंकर पांडेय का आरोप है कि वजूखाने में मिले कथित शिवलिंग को लेकर इन लोगों ने धार्मिक भावनाएं आहत करने वाला बयान दिया था। अखिलेश यादव कहा था, पीपल के पेड़ के नीचे पत्थर रख कर झंडा लगा दो तो वही भगवान और शिवलिंग हैं। जबकि असदुद्दीन ओवैसी ने कहा था, हम अब किसी और मस्जिद को खोने नहीं देंगे, ज्ञानवापी फैसला पूजा स्थल अधिनियम 1991 के खिलाफ है। ये

भविष्य में ऐसे बहुत से मसलों को खोल देगा। देश में अस्थिर प्रभाव पैदा कर सकता है। हरिशंकर पांडेय के अनुसार दोनों नेताओं ने इस तरह के बयान देकर हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। इसको लेकर हरिशंकर पांडेय ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। इसमें कहा था, पूज्य शिवलिंग जहां मिला है, वहां हाथ–पैर धोए जाने, थूकने और गंदा पानी बहाने से असंख्य सनातन धर्मियों का मन पीड़ा से भरा है। आरोपियों ने साजिश के तहत स्वयंभू आदि विश्वेश्वर के शिवलिंग को फव्वारा कह कर सनातनधर्मियों की आस्था पर कुठाराघात और आमजन में विद्वेष फैलाने का काम किया है। वकील हरिशंकर पांडेय ने अखिलेश यादव और असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी समेत अन्य पर एसीजेएम (एमपी–एमएलए) कोर्ट में एक वाद दाखिल किया था। बयानबाजी मामले में चौक थाने पर मुकदमा दर्ज करने की मांग को 4 फरवरी को एसीजेएम एमपी–एमएलए कोर्ट ने निरस्त कर दिया था। जिसके बाद हरिशंकर पांडेय अखिलेश और ओवैसी के बयान के खिलाफ 11 मार्च को जिला जज की कोर्ट में रिवीजन पिटिशन (पुनरीक्षण याचिका) दाखिल किया था। इसे स्वीकार कर पहली सुनवाई 25 मार्च को हुई, फिर 17 जून, 7 जुलाई और 20 जुलाई, 16 अगस्त, 22 अगस्त, 12 सितंबर, 6 अक्तूबर 16 अक्तूबर, 16 नवंबर को सुनवाई हुई। अब अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी।

सनी लियोनी बोलीं–आध्यात्मिक स्क्रिप्ट वाली फिल्में मिली तो जरूर करूंगी,

अभिषेक सिंह के साथ वाराणसी में किया एल्बम का प्रमोशन

वाराणसी। एक्ट्रेस सनी लियोनी अपने नए थर्ड पार्टी के प्रमोशन के सिलसिले में गुरुवार को वाराणसी पहुंची। उनके साथ को–स्टार और निलबित पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह भी थे। दोनों ने एक होटल में प्रेस कांफ्रेंस कर अपने एल्बम के बारें में जानकारी दी। इस दौरान सनी लियोनी ने कहा, वह आज वाराणसी आकर काफी एक्साइटेड हैं। अगर उनके पास कोई आध्यात्मिक स्क्रिप्ट आएगी तो वह जरूर उस फिल्म में काम करना चाहेंगी। उन्होंने भारतीय टीम की जीत पर बधाई देते हुए कहा, टीम इंडिया पर हमें गर्व है। पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह ने कहा, सनी लियोनी के साथ मेरा गाना आया है। गाने के बोल हैं मेरी पार्टी में कोई थर्ड पार्टी नहीं। उन्हें उम्मीद है कि फैंस को ये सांग काफी पसंद आएगा। अभिषेक ने एलबम का गाना भी गाकर सुनाया। नाना पाटेकर के थप्पड़ कांड पर कहा, किसी एक्टर पर टिप्पणी करना मेरे लिए ठीक नहीं है। सरकार और कानून को अपना काम करना चाहिए। अभिषेक सिंह ने कहा, हम लोग सनी लियोनी के साथ बनारसी चाय और बनारसी पान का लुत्फ उठाएंगे। इसके बाद श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन करने जाएंगे। साथ ही गंगा घाटों का भी सैर करेंगे। शाम को दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती में भी शामिल होंगे। बनारस में हम लोग फुल मस्ती करेंगे। पत्रकारों से बातचीत से पहले होटल में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। जिसको देखते हुए बाहर से पुलिस फोर्स बुलानी पड़ गई। काफी देर की मशक्कत के बाद भीड़ पर काबू पाया जा सका।मेरी पार्टी में कोई थर्ड पार्टी नहीं इस रैप सॉन्ग को अभिषेक सिंह ने खुद गाया है। टी–सीरीज के ऑफिशियल यूट्यूब चौनल ने ये गाना रिलीज किया है। 2 मिनट 53 सेकेंड के इस गाने में अभिषेक सिंह ने ब्लैक ड्रेस के साथ रेड जैकेट कैरी की है साथ कई जगह पार्टीवेयर शर्ट में भी नजर आए। जबकि सनी लियोनी रेड कलर की जैकेट में ग्लैमर का तड़का लगाते हुए नजर आ रही हैं। दरअसल अभिषेक ने 15 नवंबर को ट्वीट किया था। जिसमें बताया था कि वह अपने एल्बम के प्रमोशन के सिलसिले में वाराणसी आ रहे हैं। उनके साथ को–स्टार सनी लियोनी भी आ रही हैं। सनी का वाराणसी का ये पहला दूर है। मैं इन्हें बनारसी घाट घुमाऊंगा। उन्हें यहां के मशहूर बनारसी पान खिलाऊंगा। उसके बाद दोनों साथ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

अपना दल एस ने शहादत दिवस पर वीरांगना ऊदादेवी को किया याद

अंग्रेज कर्नल ने भी किया था ऊदा देवी को सैल्यूट : पाल

लखनऊ। 1857 की महान वीरांगना ऊदा देवी पासी की शहादत दिवस के अवसर पर लखनऊ स्थित अपना दल एस के 1ए कैम्प कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार पाल ने कहा कि 1857 की क्रांति के दौरान लखनऊ में महान वीरांगना ऊदा देवी पासी ने 36 अंग्रेज सैनिकों को मार गिराने के बाद जब शहीद हुई तो अंग्रेज कर्नल ने भी हैट उतार कर उन्हें सैल्यूट कर श्रद्धांजलि अर्पित की। राजकुमार पाल ने कहा, 1857 की क्रांति की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उत्तर भारत के वंचित समाज से आने वाली जनता ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला किया था। वीरांगना ऊदा देवी पासी के शौर्य और पराक्रम से पूरे स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई गरिमा मिली। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल वीरांगना ऊदा देवी पासी की वीरगाथा को स्कूली पाठ्य पुस्तकों में शामिल करने की कई बार मांग कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को बहुजन महापुरुषों से प्रेरित होने के लिए पाठ्य पुस्तकों में उनकी वीर गाथा को शामिल करना जरूरी है।इस अवसर पर अपना दल एस के राष्ट्रीय महासचिव आरबी सिंह, पूर्व विधायकडॉ.जमुना प्रसाद सरोज, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ओपीकटियार, राष्ट्रीय सचिव विनोद गंगवार, केके पटेल, विधि मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजबली सिंह, विधि मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद पटेल, विधानसभा अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार पाल,तोताराम पाल, पंकज पाल, विधि मंच के महासचिव सचिदानंद पटेल, युवा मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप सिंह 'सोनू' जिलाध्यक्ष हरिओम पटेल, श्याम बिहारी मोदनवाल, लालता सिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक

हरदोई। विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड के संबंध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि डैशबोर्ड पर रैंकिंग सुधार के लिए विशेष प्रयास किये जायें। आईजीआरएस पर विशेष ध्यान दिया जाए। सीएमओ की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए अगली बैठक में स्वयं उपस्थित रहने के निर्देश दिए। मंडी सचिव को अनुपस्थित रहने पर वेतन काटने के निर्देश दिए। समाज कल्याण विभाग की प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए निर्देश दिया कि समाज कल्याण विभाग के सभी अधिकारी प्रतिदिन कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित योजनाओं के साथ उपस्थिति दर्ज कराएंगे। बिना आवेदन अनुपस्थित समाज कल्याण विभाग के कर्मचारियों का वेतन काटने के निर्देश उन्होंने दिए। उन्होंने कहा कि जिस विभाग की 3 महीने तक लगातार या 3 फ्लैगशिप स्कीमों में खराब प्रगति पर प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को खराब प्रगति पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाबा विश्वनाथ के त्रयंबकेश्वर हाल में होगी भागवत कथा,निकलेगी सनातन वेद जागरण यात्रा

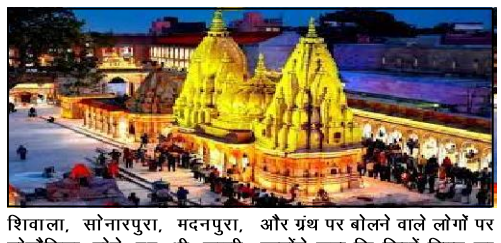

वाराणसी। महादेव की नगरी काशी में जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ महाराज द्वारा काशी विश्वनाथ धाम के त्र्यंबकेश्वर भवन में 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। 18 नम्बर को सनातन वेद जागरण यात्रा विश्वनाथ मंदिर तक निकलेगी, साप्ताहिक प्रवचन का कार्यक्रम 19 नवम्बर से 2 बजे से 5 बजे तक प्रतिदिन 25 नवंबर तक कथा होगी। शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ ने कहा कि विश्व कल्याण परक सन्देशों के प्रति सजगता एवं वेद सुश्रुषा तथा इनके विज्ञान को आत्मसात कराने हेतु ष्विशाल सनातन वेद जागरण यात्रा आयोजित की गई है। जिसमें 1100 वेद बटुकों का अपार जन समूह वाराणसी सहित मिर्जापुर एवं प्रयागराज के विभिन्न संस्थाओं से सहभाग कर रहे हैं। यात्रा प्रातः 6.30 बजे रामेश्वर मठ के सम्मुख सन्त रविदास पार्क से प्रारम्भ होकर अस्सी घाट, अस्सी चौराहा, शिवाला, सोनारपुरा, मदनपुरा, गोदौलिया होते हुए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर गेट नं.4 से मन्दिर प्रांगण त्रंयबकेश्वर हाल में प्रविष्ट होगी। श्रीमद्भागवत कथा का साप्ताहिक प्रवचन का कार्यक्रम 19 नवम्बर को दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक प्रतिदिन होगा। कथा 25 नवंबर तक चलेगी। उन्होंने कहा कि इस भागवत कथा में वाराणसी सहित आसपास के जनपद के श्रद्धालु पहुंचेंगे। इस कथा के व्यास यात्रा प्रातः 6.30 बजे रामेश्वर मठ के सम्मुख सन्त रविदास पार्क से प्रारम्भ होकर अस्सी घाट, अस्सी चौराहा, शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्दतीर्थ महाराज रहेंगे। शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्दतीर्थ ने कहा कि धर्म और ग्रंथ पर बोलने वाले लोगों पर उन्होंने कहा कि जिन्हें विषय का ज्ञान नहीं हो, उन्हें अनर्गल नहीं बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अज्ञानी अज्ञान को ही सच्चा बताया। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं को धर्म और शास्त्र के बारे में जानकारी नहीं है उन्हें नहीं बोलना चाहिए और अगर वह बोलते हैं तो जनता को ऐसे नेताओं का बहिष्कार करना चाहिए। धर्म का रक्षा करने से राजा प्रजा और राजा सुरक्षित रहता हैं। उन्होंने कहा जिन देशों में धर्म का अभाव होता है वहां आज देखिए युद्ध हो रहा है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।